पी र जी ऐ नंबर। TGHIN/26/A7665

श्वेता विजन

"नजरिया साफ, खबरें निष्पक्ष"

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मंगलवार 29 सितम्बर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पुष्ट – 1। अंक – 14। वर्ष – 8। मूल्य – 3रु

महाकवि गुर्रम जोशुआ, एक महान व्यक्ति जिन्होंने अपनी कलम से समानता और मानवाधिकारों के लिए लड़ाई लड़ीः मंत्री कंडुला दुर्गेश 2

विजयवाड़ा के लिए एक इकॉनमिक इंजन

विजयवाड़ा उत्सव–2.0
शहर के लिए एक नेशनल ब्रांड इमेज
दशहरे के लिए एक डबल धमाका
फेस्टिवल के साथ विजयवाड़ा के लिए एक नई कला

विजयवाड़ा में दशहरे की धूम शुरू होने से पहले ही, शहर में एक और त्योहार का माहौल आ रहा है। विजयवाड़ा उत्सव–2.0 के लिए कर्टेन रेजर प्रोग्राम, जो पूरे देश में विजयवाड़ा की कल्चरल, स्पिरिचुअल और हिस्टोरिकल शान को दिखाने के मकसद से ऑर्गनाइज किया जाएगा, बड़े पैमाने पर किया गया। पिछले साल जनता की भागीदारी के साथ ऑर्गनाइज किए गए फेस्टिवल को आगे बढ़ाते हुए, इस बार और भी बड़े प्रोग्राम डिजाइन किए गए हैं। हालांकि, ऑर्गनाइजर का कहना है कि इस फेस्टिवल का मुख्य मकसद इसे सिर्फ एंटरटेनमेंट और कल्चरल परफॉर्मेंस तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि शहर में एक खास ब्रांड इमेज लाना, टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देना और लोकल बिजनेस के लिए नए मौके देना है। दशहरे के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों और टूरिस्ट के विजयवाड़ा आने की संभावना है। इसके साथ ही, उस चर्चा को शहर की आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के विचार का महत्व बढ़ गया है

इस उत्सव का मुख्य आकर्षण लोगों की भागीदारी है। विजयवाड़ा के सांसद केसिनेनी चिन्नी का हर घर और हर व्यापारिक प्रतिष्ठान को उत्सव के माहौल में सजाने का आह्वान भी इसी का हिस्सा है। ऐसा लगता है कि शहर में आने वाले आगंत. कों को मेहमाननवाजी वाला माहौल देकर विजयवाड़ा की सकारात्मक छवि को बढ़ाने का इरादा है। इसके अलावा, आयोज. कों ने बताया कि उत्सव में दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उद्योग. पतियों को बुलाने की को. शिश की जा रही है। इसे सिर्फ स्थानीय स्तर के उत्सव से कहीं ज्यादा बनाने के विचार का संकेत माना जा सकता है। विजयवाड़ा को एक पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करना |बार, विजयवाड़ा उत्सव मेः

जगन आज ओंगोल जाएंगे..

जगन का आज ओंगोल दौरा
जगन काकुमानु के परिवार से मिलेंगे
पार्टी नेताओं के साथ अहम मीटिंग

जैसे–जैसे आंध्र प्रदेश में लोकल बॉडी चुनावों की सरगर्मी धीरे–धीरे बढ़ रही है, वैसे–वैसे ल्ल्क चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री ल्र जगनमोहन रेड्डी का ओंगोल दौरा राजनीतिक दिलचस्पी जगा रहा है। पूर्व ब्ब जगन आज ओंगोल जाएंगे और हाल ही में दिवंगत हुए पार्टी नेता काकुमानु राजशेखर के परिवार से मिलेंगे। हालांकि यह एक आम दौरा लग सकता है, लेकिन समय और मौका राजनीतिक रूप से अहम है। एक तरफ, सभी पार्टियां लोकल चुनावों की तैयारी कर रही हैं। दूसरी तरफ, ल्ल्क जिलों और चुनाव क्षेत्रों में जिम्मेदारियों में बदलाव और नए कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति जैसे मुद्दों पर काम कर रही है। इससे, क्या जगन का ओंगोल दौरा सिर्फ एक दौरा बनकर रह जाएगा? या यह पार्टी रीऑर्गेनाइजेशन को लेकर अहम चर्चाओं का एक प्लेटफॉर्म बनेगा? इस पर बस शुरू हो गई है।

काकुमानु राजशेखर के परिवार से मिलना जगन के दौरे का मुख्य ऑफिशियल इवेंट लग रहा है। ल्ल्क नेताओं ने आरोप लगाया है कि विजयवाड़ा में शाप ऑफिस में हुए धरने के दौरान राजशेखर बहुत ज्यादा दबाव में थे। इस मामले में, कुछ लोग जगन के उनके परिवार से मिलने को पार्टी वर्कर्स और लोकल लीडरशिप के लिए एक पॉलिटिकल मैसेज के तौर पर भी देख रहे हैं। हालांकि, यहां एक बात पर ध्यान देने की जरूरत है। किसी नेता के उनके परिवार से मिलने को सिर्फ एक पॉलिटिकल इवेंट के तौर पर देखना सही नहीं है। पॉलिटिकल नेताओं का एक ही दौरे में दौरे, वर्कर्स से मीटिंग और पार्टी प्रोग्राम को मिला देना आम बात है। लेकिन जगन के लंबे समय बाद ओंगोल आने से लोकल चुनाव की तैयारियों में तेजी आ गई है। जाहिर है, उनके दौरे को लेकर पॉलिटिकल चर्चाओं की अहमियत बढ़ गई है।असली पॉलिटिकल फोकस इस की 30 तारीख को होने वाली

विजयवाड़ा में बास्केटबॉल यूथ फेस्टिवल

विजयवाड़ा में नेशनल लेवल बास्केटबॉल की धूम

22 साल बाद ाः में नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप

पटमाता में बास्केटबॉल की धूम.. 54 टीमें भिड़ेंगी

विजयवाड़ा एक स्पोर्ट्स सिटी के तौर पर.. नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप शुरू

विजयवाड़ा, 29 सितंबरः विजयवाड़ा के पटमाता इंडोर स्टेडियम में 51वीं सब–जूनियर बास्केटबॉल चैंपियनशिप शानदार तरीके से शुरू हुई। देश भर के अलग–अलग राज्यों के टैलेंटेड युवा खिलाड़ी इन कॉम्पिटिशन में हिस्सा ले रहे हैं। विजयवाड़ा में नेशनल लेवल के कॉम्पिटिशन होने को लेकर स्पोर्ट्स फैंस उत्साहित हैं।

विजयवाड़ा के ड८ केसिनेनी शिवनाथ ने कहा कि 22 साल बाद आंध्र प्रदेश

में नेशनल लेवल की बास्केटबॉल चैंपियनशिप होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सरकार और स्पोर्ट्स एसोसिएशन को युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा देने को ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कम उम्र में ही टैलेंट की पहचान कर ली जाए और सही ट्रेनिंग दी जाए, तो भविष्य में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं।

इस चैंपियनशिप में कुल 54 टीमें हिस्सा लेंगी। 146 मैच होंगे। जीतने वाली टीम को 3 लाख रुपये, दूसरे नंबर पर आने वाली टीम को 2 लाख रुपये और तीसरे नंबर पर आने वाली टीम को 1 लाख रुपये का कैश प्राइज दिया जाएगा। ड८ चिन्नी ने कहा कि इस तरह के नेशनल लेवल के कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज करने से विजयवाड़ा को स्पोर्ट्स सिटी के तौर पर और पहचान मिलेगी। ड८ ने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, ट्रेनिंग और कॉम्पिटिटिव माहौल देने के लिए सरकार और स्पोर्ट्स एसोसिएशन को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह बास्केटबॉल समेत सभी खेलों में युवाओं को बढ़ावा देने के लिए अपना पूरा सपोर्ट देंगे। प्रोग्राम में तमिलनाडु के स्प

युवा राज्य का भविष्य हैं

हमारा भविष्य.. हमारे लोकेश अन्ना
विजयवाड़ा में बोंडा सिद्धार्थ की रैली
4 हजार स्टूडेंट्स के साथ एक बड़ी रैली

विजयवाड़ा सेंट्रल में स्टूडेंट्स के "हमारा भविष्य.. हमारे लोकेश अन्ना" के नारों ने पॉलिटिकल दिलचस्पी जगाई। करीब 4 हजार स्टूडेंट्स की यह रैली मवावरम ल्त और ब्ल्ट गवर्नमेंट इंटर और डिग्री कॉलेज से ठैढ्र सिग्नल तक गई। ज्क लीडर बोंडा सिद्धार्थ ने कहा कि यह प्रोग्राम युवाओं के भविष्य, नौकरी के मौकों और एजुकेशन सेक्टर में बदलाव के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के सपोर्ट में किया गया था। रेगुलर पॉलिटिकल प्रोग्राम से अलग, स्टूडेंट्स पर केंद्रित इस रैली ने एक बार फिर दिखाया कि कैसे युवाओं के लिए नौकरियां और रोजगार के मौके अब पॉलिटिकल बहस में अहम मुद्दे बन गए हैं।हालांकि, सिद्धार्थ ने कहा कि गठबंधन सरकार का लक्ष्य युवाओं को नौकरी के मौके देना है। उन्होंने 16,000 कैः नौकरियां भरने के उपायों, 20 लाख नौकरियां बनाने के टारगेट और प्ज सेक्टर में इन्वेस्टमेंट का जिक्र किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अगर राज्य में इन्वेस्टमेंट आता है, तो प्ज, इंडस्ट्री, स्टार्टअप और उससे जुड़े सेक्टर में नए मौके बनेंगे। हालांकि, जरूरी बात यह है कि ये लक्ष्य किस हद तक लागू होंगे और युवाओं को नौकरियों के रूप में क्या सीधे फायदे मिलेंगे।कुल मिलाकर, युवाओं का भविष्य अब सिर्फ चुनावी वादों का मामला नहीं है, बल्कि नौकरियों, शिक्षा, इन्वेस्टमेंट और स्किल डेवलपमेंट से जुड़ा एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा है। विजयवाड़ा में हुई स्टूडेंट रैली ने इस चर्चा को एक और मोड़ दिया है। युवाओं का रिस्पॉन्स बनाए रखने के लिए, यह जरूरी है कि सरकार द्वारा बताए गए लक्ष्यों को लागू किया जाए, भर्तियां जल्दी हों और रोजगार के नए मौके मिलें। साथ ही, मंत्री नारा लोकेश की राजनीतिक प्रोफाइल में युवाः

महाकवि गुर्रम जोशुआ, एक महान व्यक्ति जिन्होंने अपनी कलम से समानता और मानवाधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी: मंत्री कंडुला दुर्गेश

पद्म भूषण, कवि सम्राट गुर्रम जोशुआ की 131वीं जयंती विजयवाड़ा कलेक्ट्रेट में पिंगली वेंकैया कला वेदिका में मनाई गई

राज्य के पर्यटन, संस्कृति और सिनेमैटोग्राफी मंत्री कंडुला दुर्गेश, जो मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे और जोशुआ की तस्वीर पर माला चढ़ाई और श्रद्धांजलि दी

जाने-माने साहित्यकारों को 'कवि सम्राट गुर्रम जोशुआ कवि कोकुकी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। मंत्री दुर्गेश ने 10 लाख रुपये की राशि भेंट की। 50,000 कैश, एक यादगार निशानी और तारीफ का सर्टिफिकेट

विजयवाड़ा: 28 सितंबर, 2026.

विजयवाड़ा: मंत्री कंडुला दुर्गेश ने बताया है कि गुर्रम जोशुआ एक ऐसे खास कवि हैं, जिन्होंने उस समय जब भावुक कविताएँ फल-फूल रही थीं, सामाजिक चेतना को जोड़ा और अपनी कविताओ. " में दबे-कुचले वर्गों के दुखों को दिखाया। नवयुग कवि चक्रवर्ती और पद्म भूषण गुर्रम जोशुआ की 131वीं जयंती का जश्न स्टेट क्रिएटिव एंड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन की देखरेख में विजयवाड़ा कलेक्ट्रेट, छज्द जिले के पिंगली वेंकैया कॉन्फ्रेंस हॉल में बड़े पैमाने पर मनाया गया। राज्य के टूरिज्म, कल्चर और सिनेमैटोग्राफी डिपार्टमेंट के चीफ कंडुला दुर्गेश इस प्रोग्राम के चीफ गेस्ट थे। इस मौके पर उन्होंने महान कवि गुर्रम जोशुआ की तस्वीर पर माला चढ़ाई और श्रद्धांजलि दी।इन सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर, मिनिस्टर कंडुला दुर्गेश ने जाने-माने लिटरेचर फिगर्स शेख करीमुल्लाह, डॉ. जलादी विजयकुमारी, विल्सन राव कोम्मावरपु, और गद्दाम ईश्वरम्मा को सम्मानित किया, जिन्होंने तेलुगु लिटरेचर के डेवलपमेंट, सर्वाइवल और प्रिजर्वेशन में अहम योगदान दिया है, उन्हें 'कविसम्राट गुर्रम जोशुआ कविकोकिला साहि६

भगत सिंह आज के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं

मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास

विजयनगरम, 28 सितंबर,

राज्य के माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज, ग्रामीण गरीबी उन्मूलन और प्रवासी मामलों के सशक्तिकरण मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने कहा कि आजादी के आंदोलन के क्रांतिकारी नेता सरदार भगत सिंह का जीवन आज के युवाओं के लिए प्रेरणा है। सोमवार को भगत सिंह की 119वीं जयंती के मौके पर मंत्री के कैंप ऑफिस में उनकी तस्वीर पर माला चढ़ाई गई। इस मौके पर बोलते हुए मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने कहा कि भगत सिंह एक महान इंसान थे जिन्होंने 'इंकलाब जिंदाबाद' कहकर लोगों को अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भगत सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक बहादुर इंसान थे जिन्होंने बहुत कम उम्र में ब्रिटिश शासकों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, यहां तक घ्कि देश की आजादी के लिए अपनी जान भी जोखिम में डाल दी। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा दिखाई गई देशभक्ति और हिम्मत देश के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखी गई है। मंत्री कोंडापल्ली ने आज के युवाओं से भगत सिंह के आदर्शों को अपनाकर देश की तरक्की और समाज सेवा के लिए खुद को समर्पित करने का आह्वान किया। तेलुगु देशम पार्टी के वरिष्ठ नेता कोंडापल्ली कोंडाला राव, चेप्पा चंद्रशेखर और अन्य लोग शामिल हुए।

DLSA के सेक्रेटरी और सीनियर सिविल जज, चाइल्ड केयर संस्थानों के प्रतिनिधियों के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

हैदराबाद: डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट की देखरेख में, हैदराबाद जिले के सभी चाइल्ड केयर संस्थानों के प्रतिनिधियों के लिए सिकंदराबाद में एक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (सेशन डिवीजन, नामपल्ली, हैदराबाद) की सेक्रेटरी सुश्री ए. श्रीदेवी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं।इस मौके पर, सुश्री ए. श्रीदेवी ने जुवेनाइल जस्टिस (बच्चों की देखभाल और सुरक्षा) एक्ट, जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (श्रश्ठ) के नियमों, बच्चों के अधिकारों और बच्चों की देखभाल से जुड़े कानूनी पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई।उन्होंने चाइल्ड केयर संस्थानों में रहने वाले बच्चों के अधिकारों पर खास ध्यान देने के साथ-साथ मुफ्त कानूनी सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और पुनर्वास जैसे पहलुओं पर भी जोर दिया। उन्होंने बच्चों से जुड़े मुद्दों को संवे. दनशीलता और कानूनी प्रावधानों के अनुसार हल करने की जरुरत के बारे में बताया।इसके अलावा, प्रतिभागियों को श्रश्ठ के नियमों, चाइल्ड केयर संस्थानों के कामकाज के तरीकों, बच्चों के खिलाफ हिंसा और शोषण को रोकने और बच्चों के सर्वोत्तम हितों की रक्षा करने के बारे में जानकारी दी गई।इस कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर (क्च्व्) श्री श्रीनिवास, कोऑर्डिनेटर श्री विजय भास्कर, चाइल्ड केयर संस्थानों के प्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

ACB ने नम्पल्ली के रेवेन्यू इंस्पेक्टर और एक प्राइवेट व्यक्ति को पकड़ा

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

।ब्व ने नलगोंडा जिले के नम्पल्ली मंडल में तहसीलदार-सह-संयुक्त सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में तैनात रेवेन्यू इंस्पेक्टर (त्) और एक प्राइवेट व्यक्ति को पकड़ा है। 28.09.2026 को, आरोपी अधिकारी-1 (।व्-1) श्री रल्लाबंदी गोपा राजू (राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार सह संयुक्त उप-पंजीयक कार्यालय, नम्पल्ली मंडल, नलगोंडा जिला) को ।ब्व, नलगोंडा रेंज यूनिट ने तब पकड़ा, जब उन्होंने शिकायतकर्ता से एक सरकारी काम (यानी, शिकायतकर्ता की कृषि भूमि के संबंध में तैयार पंचनामा रिपोर्ट को तहसीलदार को सौंपने) के लिए ।-2 श्री अडुल्ला यदागिरी (।व्-1 के सहायक के रूप में काम करने वाले निजी व्यक्ति) के माध्यम से 15,000 रुपये की रिश्वत की मांग की और उसे स्वीकार किया।रिश्वत की 15,000 रुपये की रकम ।-2 के पास से बरामद की गई। इस प्रकार, ।व् ने अनुचित लाभ पाने के लिए गलत और बेईमानी से अपना कर्तव्य निभाया।इसलिए, ।व्-1 और ।-2 को गिरफ्तार किया जा रहा है और उन्हें "प्र और ।ब्व मामलों के माननीय प्रधान विशेष न्यायाधीश, नम्पल्ली के समक्ष न्यायिक रिमांड के लिए पेश किया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का विवरण गुप्त रखा गया है।सेल फोन नंबर-1064 (टोल-फ्री नंबर):यदि कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है, तो जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए ।ब्व के टोल-फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ।ब्व तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "जे।यच (9440446106), थ्वमइववा (ज्मसंदहंद ।ब्व) और श (ज्ञ्पूर्व में ज्ूपजजमत ज्मसंदहंद ।ब्व) के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। ।ब्व तेलंगाना से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ।ब्व का फर कोड भी प्रदर्शित किया गया है। पीड़ितघ्शिकायतकर्ता का नाम और विवरण गुप्त रखा जाएगा।६८६ भ्रष्टाचार निरोधक (।दजप-ब्वततनचजपवद ठनतमंन), ७.७., हैदराबाद।

संभल मस्जिद विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे के खिलाफ याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शाही जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद में संभल की अदालत के आदेश पर कराए जा रहे सर्वे को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया.इस मामले की सुनवाई जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ ने की. पीठ ने संभल की जामा मस्जिद की प्रबंधन कमेटी की ओर से दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें इलाहाबाद हाई कोर्ट के 19 मई, 2025 के आदेश को चुनौती दी गई थी.पीठ ने मस्जिद कमेटी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी और कुछ हिंदू पक्षों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की दलीलें सुनीं.सुनवाई के दौरान, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने कहा कि राज्य पक्षों के संबंधित दावों में नहीं पड़ना चाहता. नटराज ने कहा, ''राज्य के तौर पर, हम दोनों पक्षों के दावों के मामले में नहीं पड़ना चाहते.''उन्होंने आगे कहा कि राज्य के तौर पर ''हम सभी के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध और बाध्य हैं'' और उन्होंने 'पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991' के प्रावधानों का भी जिक्र किया.1991 का कानून किसी भी पूजा स्थल को बदलने पर रोक लगाता है और यह प्रावधान करता है कि किसी भी पूजा स्थल का धार्मिक स्वरूप वैसा ही बनाए रखा जाए जैसा वह 15 अगस्त, 1947 को था.हालांकि, अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद से जुड़ा विवाद इसके दायरे से बाहर रखा गया था. अहमदी ने तर्क दिया कि 1991 के कानून की व्याख्या से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट की बड़ी पीठ के समक्ष लंबित था.12 दिसंबर, 2024 को दिए गए एक अहम आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने देश भर की अदालतों को धार्मिक स्थलोंकृखासकर मस्जिदों और दरगाहों को वापस पाने की मांग करने वाले नए मुकदमों पर सुनवाई करने और पहले से लंबित मामलों में कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से तब तक के लिए रोक दिया है, जब तक कि आगे कोई निर्देश न मिल जाए.पीठ ने 1991 के एक्ट के अलग-अलग प्रावधानों को चुनौती देने

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

बाबा नीब करौरी से जुड़े प्रमुख स्थलों की आध्यात्मिक यात्रा शुरू, पहले दिन निकले 30 श्रद्धालु, जन्मस्थली से समाधि स्थल पहुंचेंगे

लखनऊ : बाबा नीब करौरी की भक्ति और साधना से जुड़े प्रमुख स्थलों की आध्यात्मिक यात्रा पर 30 सदस्यीय पर्यटकों का दल शुक्रवार को लखनऊ से रवाना हुआ. हनुमान सेतु से उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) की बस को रवाना किया गया. 'विजिट माई स्टेट' अभियान के तहत आयोजित तीन दिवसीय विशेष टूर में शामिल पर्यटक 25 से 27 सितंबर तक बाबा नीब करौरी से जुड़े प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे.
बारिश की फुहारों के बीच बाबा नीब करौरी से जुड़े प्रमुख स्थलों की आध्यात्मिक यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा. युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक हर आयु वर्ग के पर्यटक इस विशेष यात्रा का हिस्सा बने. यूपीएसटीडीसी की ओर से 8,500 रुपए (सामान्य कीमत 16,500 रुपए) वाले तीन दिवसीय टूर पैकेज में डबल शेयरिंग के आधार पर वातानुकूलित आवास, होटल में नाश्ता, दोपहर व रात का भोजन, हाई टी, टूर गाइड की सुविधा और विभिन्न स्थलों के प्रवेश शुल्क आदि शामिल हैं.पैकेज का उद्देश्य पर्यटकों को बाबा नीब करौरी से जुड़े प्रमुख स्थलों की सुविधाजनक, व्यवस्थित और गाइडेड आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव कराना है. यात्रा में शामिल पर्यटक दीनानाथ का कहना था कि 'बाबा नीब करौरी से जुड़े स्थलों की यात्रा करने की लंबे समय से इच्छा थी. बारिश के बीच यात्रा की शुरुआत ने उत्साह और बढ़ा दिया. इस टूर में यात्रा, ठहरने और भोजन की व्यवस्था पहले से होने से बिना किसी परेशानी के बाबा की आध्यात्मिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है.
वहीं, महिला पर्यटक मीना देवी ने बताया कि बाबा नीब करौरी की भक्ति और साधना से जुड़े स्थलों को देखने की उत्सुकता लंबे समय से थी. इस यात्रा के जरिए इन आध्यात्मिक स्थलों को करीब से जानने और उनके महत्व को समझने का अवसर मिल रहा है.
बाबा की जन्मस्थली से समाधि स्थल तक सफर : पहले दिन पर्यटक फर्रुखाबाद पहुंचकर बाबा नीब करौरी आश्रम के दर्शन के बाद संकिसा जाएंगे. वहां अशोक स्तंभ, बौद्ध स्तूप, प्राचीन बौद्ध अवशेष और मठों का भ्रमण करेंगे. दूसरे दिन, पर्यटक फिरोजाबाद के अकबरपुर गांव बाबा नीब करौरी की जन्मस्थली पहुंचेंगे. इसके बाद मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और द्वारकाधीश मंदिर के दर्शन होंगे. शाम को वृंदावन स्थित प्रेम मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा. अंतिम दिन, वृंदावन में बाबा की आध्यात्मिक विरासत से जुड़े स्थलों के साथ समाधि स्थल, बांके बिहारी मंदिर और इस्कॉन मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे. इसके बाद पर्यटक लखनऊ लौटेंगे. यह यात्रा आगंतुकों को बाबा नीब करौरी (फिरोजाबाद–फर्रुखाबाद–वृंदावन–लखनऊ) के सभी प्रमुख स्थलों को करीब से जानने का अवसर प्रदान कर रही है.बाबा नीब करौरी की विरासत से परिचित होंगे पर्यटक : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'विश्व पर्यटन दिवस उत्तर प्रदेश के विविध पर्यटन अनुभवों को देश–दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाने का विशेष मौका है. इसी कड़ी में बाबा नीब करौरी के जीवन, साधना और आध्यात्मिक विरासत के प्रति बढ़ती रुचि प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन की नई संभावनाओं को सामने ला रही है. उन्होंने बताया कि विशेष टूर पैकेज के जरिए पर्यटकों को बाबा से जुड़े अल्पज्ञात स्थलों से परिचित कराने के साथ अधिक से अधिक यात्रियों को उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का प्रयास है.अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं यूपीएसटीडीसी के चेयरमैन अमृत अभिजात ने कहा कि उत्तर प्रदेश बाबा नीब करौरी की जन्मस्थली और समाधि स्थली, दोनों का साक्षी है. दुनिया भर में बाबा के अनुयायियों के लिए यह भूमि विशेष आध्यात्मिक महत्व रखती है, लेकिन प्रदेश से उनके जुड़ाव के बारे में अभी कम लोग. ' को जानकारी है.उन्होंने कहा कि 'विजिट माई स्टेट' अभियान के तहत प्रदेश सरकार बाबा से जुड़े आस्था स्थलों को पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रदर्शित कर रही है. विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर बाबा नीब करौरी सर्किट की विशेष यात्रा इसी पहल का हिस्सा है, जिसके जरिए पर्यटकों को बाबा की आध्यात्मिक विरासत और उत्तर प्रदेश से उनके

वर्ष 2022 से चुनाव जीतने के बाद 111 सांसदों, विधायकों ने बदली पार्टियां : एडीआर

इस दौरान हुए चुनावों और उपचुनावों के विश्लेषण से पता चला कि 26 लोकसभा सदस्यों, सात राज्यसभा सदस्यों और 78 विधायकों ने अपनी पार्टियां बदल लीं.एडीआर ने कहा कि इन मामलों में नेताओं का दल बदलना, पार्टियों का विलय, इस्तीफे के बाद उपचुनाव में जीत और अयोग्य ठहराए जाने के बाद उपचुनाव में सीट जीतना शामिल था.एडीआर के विश्लेषण में नगालैंड में सबसे अधिक 32 मामले सामने आए, और ये सभी मामले विधायकों से जुड़े थे. इनमें से अधिकतर मामले सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) और नगा पीपल्स फ्रंट (एनपीएफ) के बीच हुए गठजोड़ से जुड़े थे. एनपीएफ सबसे ज्यादा विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करने वाली पार्टी के तौर पर उभरी.कुल मिलाकर, एनडीपीपी के टिकट पर चुनाव जीतने वाले 25 विधायक उन जनप्रतिनिधियों में शामिल थे, जिन्होंने बाद में अपनी पार्टी बदल ली. वहीं, 32 जनप्रतिनिधि एनपीएफ में शामिल हुए.विश्लेषण के अनुसार, पश्चिम बंगाल में ऐसे 20 मामले सामने आए, और ये सभी लोकसभा सदस्यों से जुड़े थे. इन सभी 20 सांसदों ने मूल रूप से ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता था और बाद में नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए.इन सांसदों ने एनसीपीआई में विलय का दावा किया है और यह मामला लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष विचाराधीन है.तेलंगाना में ऐसे नौ मामले आए और ये सभी विधायकों से जुड़े थे. ये नौ विधायक भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के टिकट पर निर्वाचित हुए थे, जबकि राज्य में कांग्रेस विधायकों को अपने पाले में शामिल करने वाली प्रमुख पार्टी रही.गोवा में ऐसे आठ मामले सामने आए, जिनमें कांग्रेस के विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए. वहीं, पंजाब में भी आठ ऐसे मामले आए, जिनमें राज्यसभा के छह सदस्य और दो विधायक शामिल थे.महाराष्ट्र में ऐसे छह मामले सामने आए और ये सभी लोकसभा सदस्यों से जुड़े थे. इन सांसदों ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के टिकट पर चुनाव जीता था और बाद में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए.
मेघालयमें विधायकों से जुड़े छह मामले और मणिपुर में पांच मामले सामने जबकि अरुणाचल प्रदेश और गुजरात में चार–चार मामले आए.
हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में दो–दो मामले सामने आए, जबकि कर्नाटक, मध्यप्रदेश, सिक्किम और उत्तर प्रदेश में एक–एक मामला आया. दिल्ली में राज्यसभा के एक सदस्य ने पार्टी बदली.
पार्टी के स्तर पर, एनडीपीपी से सबसे अधिक 25 जनप्रतिनिधि अलग हुए। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस से 20 और कांग्रेस से 19 जनप्रतिनिधियों ने पार्टी बदली. बीआरएस के नौ, आम आदमी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सात–सात, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह, जनता दल (यूनाइटेड) के पांच और एनपीपी के चार जनप्रतिनिधि पार्टी बदलने वालों में शामिल थे.
एनडीपीपी, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस से जुड़े मामलों की संख्या कुल 111 में से 64 रही, जो 58 प्रतिशत है.एडीआर ने कहा कि हाल में हुए दल–बदल कुछ राज्यों की विधानसभाओं में सरकारों के गिरने से भी जुड़े रहे हैं. उसने यह भी स्पष्ट किया कि यह पड़ताल व्यापक नहीं हो सकती, क्योंकि दल बदलने वाले विधायकों का कोई व्यवस्थित और आसानी से उपलब्ध होने वाला सरकारी डेटाबेस मौजूद नहीं है.

साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों पर दोहरी मार! शिकायत के लिए रिश्वत का दबाव, पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों और बैंकिंग संस्थानों से साइबर क्राइम से लड़ने के लिए मिलकर काम करने को कहा था. उनके इस बात को कहने के महीनों बाद गुरुवार को 'साइबर क्राइमकुविक्टिम पर्सपेक्टिव्स एंड सिस्टेमिक रिस्पॉन्सेस' पर भारत में पुलिस व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट (प्प्) 2026 से पता चला कि पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी ने स्थिति को और बिगाड़ कर रख दिया है.कॉमन कॉज और लोकनी. ति–सीएसडीएस की मिलकर की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर क्राइम के मामलों में आमतौर पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है. नई दिल्ली में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन 15 पीड़ितों ने पुलिस से ऑनलाइन या खुद जाकर शिकायत की थी उनमें से छह मामलों में एफआईआर दर्ज की गई, इनमें से दो ऑटोमैटिक एफआईआर थीं. वहीं कम से कम दो अन्य मामलों में, पीड़ितों ने एफआईआर दर्ज करवाने के लिए प्रभावशाली लोगों से संपर्क किया.
ब्लइमतबतपउम अपबजपउे`जतनहहसम जव हमज चवसपबम, इंदा`नचचवतजः थ्पदके`प्प 2026
भारत में पुलिस व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट`(प्प्) 2026 (म्ज्ट ठीतंज)
कॉमन कॉज के डायरेक्टर विपुल मुद्गल ने कहा कि इस अध्ययन का मकसद साइबर क्राइम के बारे में लोगों की सोच और अनुभव और उनसे निपटने के लिए सिस्टम की तैयारी को समझना है.
यह अध्ययन 16 भारतीय राज्यों में 8,306 से ज्यादा लोगों के सर्वेक्षण पर आधारित है. इसका मकसद भारत में साइबर क्राइम के तेजी से बदलते प्रकृति और उनसे निपटने के लिए बने सिस्टम की जांच करना है. रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय साइबर अपराध के पीड़ितों और जानकारों ने ज्यादातर यह महसूस किया कि बैंकों ने जिम्मेदारी लेने या रिकव. री प्रक्रिया में पीड़ित की मदद करने से मना कर दिया. एक मामले को छोड़कर वित्तीय धोखाधड़ी (फाइनेंशियल फ्रॉड) के पीड़ितों के साथ बाकी सभी इंटरव्यू में बैंकों ने कहा कि पीड़ितों ने फ्रॉड करने वाले के साथ 'सहयोग' किया.पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है.साइबर क्राइम के मामलों से निपटने में पुलिस को दी गई औसत रेटिंग पांच में से 2.4 थी. बैंकिंग संस्थानों की ओवरऑल रेटिंग पांच में से एक थी.लोगों ने पुलिस को रिश्वत देकर अपनी शिकायत दर्ज करवाई.पीड़ितों ने अपने पर्सनल नेटवर्क से संपर्क किया ताकि पुलिस मामले को ठीक से देख सके
पुलिस के साथ अपने अनुभव का मूल्यांकन करने वाले दस जवाब देने वालों में से पुलिस को दी गई औसत रेटिंग पांच में से 2.4 थी. बैंकों के साथ अपने अनुभव को रेट करने वाले छह पीड़ितों में से कुल रेटिंग पांच में से एक खराब थी.
रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस से शिकायत करने वाले पांच में से दो (42 प्रतिशत) पीड़ितों को शिकायत दर्ज करने का प्रक्रिया मुश्किल लगा. 17 प्रतिशत को यह बहुत मुश्किल लगा और 25 प्रतिशत ने कहा कि यह कुछ हद तक मुश्किल था. जिन लोगों ने पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज करवाई उनमें से एक चौथाई से ज्यादा (27 प्रतिशत) ने पुलिस को रिश्वत दी थी.
रिपोर्ट में अमीर लोगों की तुलना में गरीब पीड़ितों के पुलिस को रिश्वत देने की संभावना लगभग चार गुना ज्यादा होती है. जिन पीड़ितों ने पुलिस को रिश्वत दी उनके खोए हुए पूरे पैसे वापस पाने की संभावना उन लोगों की तुलना में तीन गुना ज्यादा थी जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी.इसी साल जून में प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजधानी में 52वीं प्रगति मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए नागरिकों को धोखा देने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के गलत इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई थी. उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड से निपटने के लिए सभी प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों और डिजिटल प्लेटफॉर्म को संवेदनशील, समन्वित और समयबद्ध तरीके से गुना ज्यादा थी जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी.इसी साल जून में प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजधानी में 52निपटने की जरूरत है.मजे की बात यह थी कि एक तिहाई से ज्यादा पीड़ितों ने अपने पर्सनल नेटवर्क से संपर्क किया ताकि पुलिस मामले को ठीक से देख सके. रिपोर्ट में बताया गया, ''जिन पीड़ितों ने पर्सनल नेटवर्क के जरिए पुलिस से संपर्क किया उनके साइबर क्राइम में खोए हुए पूरे पैसे वापस पाने की संभावना उन लोगों की तुलना में तीन गुना ज्यादा थी जिन्होंने किसी से संपर्क नहीं किया.''
रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर क्राइम करने वाले लोग अपराध करने के लिए 'सोशल इंजीनियरिंग' पर बहुत ज्यादा निर्भर करते हैं, जिसमें वे संवेदनशील जानकारी या पर्सनल डिवाइस तक पहुंच पाने के लिए धोखा, हेरफेर, जबरदस्ती और धमकी का इस्तेमाल करते हैं.रिपोर्ट में कहा गया है, ''संगठित नेटवर्क वित्तीय और गैर–वित्तीय दोनों तरह के साइबर अपराध चलाते हैं, लीक हुए डेटा, म्यूल अकाउंट और नकली सिम कार्ड को तैयार किट के रूप में बेचते हैं. अधिकारियों के प्रति अविश्वास और शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिए जाने की भावना के कारण साइबर अपराध की रिपोर्ट बहुत कम होती है.ऑनलाइन लिंग आधारित हिंसा और गैर–सहमति से छवि दुरुपयोग (ध्ंहम इनेम) के अधिकांश मामले रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि एक तिहाई उत्तरदाताओं को अक्सर नकली डिलीवरी या उच्च रिटर्न निवेश घोटाला कॉल प्राप्त होते हैं. लगभग एक चौथाई लोगों को अक्सर बैंक की नकल वाले कॉल, गैर–कानूनी कामों से जुड़े फोन कॉल और दोस्त होने का दावा करने वाले अनजान नंबर मिले हैं. डेटा से पता चलता है कि ऑनलाइन पेमेंट का ज्यादा इस्तेमाल फ्रॉड कॉल के ज्यादा खतरे से जुड़ा है. पिछले 2 से 3 सालों में 13 प्रतिशत जवाब देने वाले साइबर क्राइम के शिकार हुए हैं. कम पढ़े–लिखे और कम उम्र के जवाब देने वालों के साइबर क्राइम का शिकार होने की संभावना ज्यादा होती है.मुद्गल ने कहा, ''हमें पता है कि`प्प् 2026 तेजी से बढ़ते माहौल का सिर्फ एक हिस्सा कवर करता है. यह जमीन पर पुलिस व्यवस्था के असर का अंदाजा लगाने और जरूरत की कमियों को पहचानने की हमारी कोशिश का हिस्सा है. हम इसे भविष्य में ज्यादा नीति पर आधारित रिसर्च के लिए एक बिल्डिंगब्लॉक के तौर पर भी देखते हैं.''
उन्होंने कहा, ''हम पक्का मानते हैं कि इंसानों को जानकारी में शामिल रखकर कंप्यूटर साइंस और बिहेवियरल साइंस के बीच की खाई को पाटना चाहिए. सावधानी यह है कि तकनीकी–प्रबंधकीय समाधान नागरिकों की इज्जत, निजता या नागरिक आजादी की कीमत पर नहीं आने चाहिए.''
कॉमन कॉज एक रजिस्टर्ड सोसाइटी है जो औपचारिक तरीकों से वकालत और दखल के जरिए लोकतंत्र, सुशासन और सार्वजनिक नीति सुधार और अनौपचारिक नीति जुड़ाव को बढ़ावा देना चाहती है. इसी तरह, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (थ्वै) सोशल साइंस और ह्यूमैनिटीज में रिसर्च के लिए भारत के प्रमुख संस्थान में से एक है. लोकनीति थ्वै का एक रिसर्च प्रोग्राम है.

वन विभाग ने बताया कि बाघ का शावक शायद बीमार है. वह पिछले कई दिनों से गांव के आस पास घूम रहा था.

मयूरभंजः ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक बाघ के शावक को गांव के आस–पास देखा गया. यह शावक गांव के एक घर में घुस गया. गांव वालों ने उसे अंदर जाते देख घर का दरवाजा तुरंत बंद कर दिया और इसकी सूचना करंजिया वन विभाग को दी.
सूचना मिलने पर करंजिया वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बाघ के बच्चे को बचाया और उसे सुरक्षित जगह पर ले गए. विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिस जंगली जानवर के शावक को लोगों ने घर के अंदर बंद करके रखा था वह असल में रॉयल बंगाल टाइगर है.पबा ज्पहमत ब्नइ तमेबनमक ।जिमत टमपदह स्वबामक प्देपकम ंटपससंहम भ्वनेम पद डंलनतइींदररॉयल बंगाल टाइगर का शावक दिखा (म्ज्ट ठीतंज)
वन विभाग को शक है कि बाघ का शावक मयूरभंज जिले के करंजिया वन विभाग के ठाकुरमुंडा रेंज के खापरखाई गांव में बीमारी की वजह से तीन दिनों से घूम रहा है. इस बारे में करंजिया वन विभाग के अधिकारी अजय कुमार साहू ने कहा कि कल एक बाघ का शावक एक व्यक्ति के घर में घुस गया था. घर में एक खतरनाक जंगली जानवर के शावक को देख लोगों ने तुरंत घर का दरवाजा बंद कर दिया, जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया.उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया. उन्होंने बताया कि यह एक रॉयल बंगाल टाइगर है. शक है कि यह बीमारी की वजह से गांव में घूम रहा है. ऐसे में रॉयल बंगाल टाइगर के इस शावक के इलाज के लिद कर दिया, जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया.उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती द कर दिया, जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया.उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया. उन्होंने बताया । बारीपदा से एक वेटनरी डॉक्टर मौके पर पहुंचे हैं.रेस्क्यू के बाद बाघ को अब केंदुमुंडी बीट इलाके में लाया गया है. बाद में एक सीनियर वन विभाग के अधिकारी के कहने पर शावक को सिमिलिपाल अभयारण्य (सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व) के घने जंगलों में छोड़ दिया जाएगा. इस बात की जानक.

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में 92 गवाहों के मुकरने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, अमित शाह पर दिया यह निर्देश

नई दिल्लीः सोहराबुद्दीन शेख कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 92 गवाहों के पलटने पर गहरी चिंता जताते हुए इसे "थोक के भाव गवाहों का मुकर जाना" करार दिया है. बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा 21 पुलिसकर्मियों समेत 22 आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इस फैसले की समीक्षा करने पर सहमति जताई है. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले से बरी किए जाने के अंतिम फैसले को दोबारा नहीं खोला जाएगा.

सर्वोच्च अदालत ने यह टिप्पणियां तब कीं, जब वह बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गई, जिसमें 2005 के कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में 22 आरोपियों को बरी कर दिया गया था. बरी किए गए आरोपियों में 21 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं. यह पूरा मामला गैंगस्टर सोहराबुद्दीन शेख, उनकी पत्नी कौसर बी और उनके सहयोगी तुलस. ीराम प्रजापति की कथित हत्याओं और फर्जी मुठभेड़ से जुड़ा है.इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने की. पीठ ने सोहराबुद्दीन शेख के भाई नयाबुद्दीन शेख द्वारा दायर याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के 7 मई के फैसले को चुनौती दी गई है जिसने आरोपियों को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा था. पीठ के समक्ष वरिष्ठ वकील डी. एस. नायडू ने याचिकाकर्ता का पक्ष रखा.

पीठ ने संकेत दिया कि वह आरोपियों को बरी किए जाने से जुड़े कुछ चुनिंदा गवाहों के बयानों की जांच करेगी और कहा, "हम इस बरी किए जाने के फैसले की समीक्षा करेंगे."

सुनवाई के दौरान वकील नायडू ने कहा कि उनका मुवक्किल 2010 से इस मामले की पैरवी कर रहा है और उन्हीं की मांग पर जांच ट्रांसफर की गई थी. नायडू ने कहा कि ऐसे फॉरेंसिक सबूत मौजूद हैं जो सच्चाई बयां कर सकते हैं, गोलियों के निशान और कारतूस मिले थे, और उनकी भाभी (कौसर बी) का तो पता तक नहीं लगाया जा सका. नायडू ने कहा, "कुछ गवाह भले ही मुकर गए हों, लेकिन वे सच्चाई को दबा नहीं सकते..."

इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि अगर किसी मुकदमे में 92 गवाह मुकर जाएं तो यह चिंता का विषय है. उन्होंने मौखिक रूप से जोड़ते हुए कहा, "यह तो थोक के भाव गवाहों का मुकर जाना है.. .पीठ ने बरी किए जाने के फैसले की समीक्षा करने पर सहमति जताते हुए नायडू से कहा, "हम उन कुछ गवाहों के बयान देखना चाहेंगे जिन पर आप भरोसा कर रहे हैं... बरी किए जाने वाले हिस्से को लेकर आपको जो भी ठीक लगे, ऐसे तीन या चार बयान हमें सौंपें." इस दौरान जस्टिस बागची ने टिप्पणी की, "जिन लोगों पर मुकदमा चलाया गया था, क्या उनका मुकदमा निष्पक्ष और न्यायसंगत तरीके से हुआ था, यह एक महत्वपूर्ण विचारणीय बिंदु है."यह याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट के 7 मई के उस आदेश को चुनौती देती है, जिसने मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत के दिसंबर 2018 के फैसले के खिलाफ रुबाबुद्दीन और नयाबुद्दीन शेख द्वारा दायर अपीलों को खारिज कर दिया था. सीबीआई अदालत ने सभी 22 आरोपियों को बरी कर दिया था. बरी किए गए इन 22 आरोपियों में से 21 गुजरात और राजस्थान के पुलिस अधिकारी थे.बाकी बचा एक आरोपी गुजरात के एक फार्महाउस का मालिक था, जहां अभियोजन पक्ष के अनुसार, सोहराबुद्दीन और कौसर बी को अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया था. अभियोजन पक्ष का दावा था कि सोहराबुद्दीन, उनकी पत्नी और प्रजा. पति 22–23 नवंबर 2005 की रात को बस से हैदराबाद से महाराष्ट्र के सांगली जा रहे थे, तभी एक पुलिस टीम ने कथित तौर पर उन्हें हिरासत में ले लिया. इसके बाद इस दंपती और प्रजापति को कथित तौर पर अलग–अलग गाड़ियों में ले जाया गया था.सीबीआई के अनुसार, 26 नवंबर 2005 को अहमदाबाद के पास गुजरात और राजस्थान पुलिस के जवानों द्वारा की गई एक मुठभेड़ में सोहराबुद्दीन मारा गया था. आरोप है कि इसके तीन दिन बाद कौसर बी की भी हत्या कर दी गई थी. प्रजापति, जो उदयपुर सेंट्रल जेल में बंद था और इस कथित एनकाउंटर का मुख्य गवाह माना जाता था, 27 दिसंबर 2006 को गुजरात–राजस्थान सीमा के पास एक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था.पीठ ने यह बिल्कुल साफ कर दिया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस

ECI तीन महीने में फैसला करेः ममता बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग को ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के दो विरोधी गुटों के बीच पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर चल रहे विवाद पर फैसला करने का निर्देश दिया.इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने की. ममता बनर्जी की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और कल्याण बनर्जी और चुनाव आयोग की तरफ से वरिष्ठ वकील डी एस नायडू अदालत में पेश हुए.पीठ ने दोनों गुटों से चार सप्ताह के भीतर चुनाव आयोग के समक्ष अपनी दलीलें पूरी करने को कहा. पीठ ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि दोनों पार्टियों की दलीलें पूरी होने के बाद तीन महीने के भीतर इस मुद्दे पर फैसला किया जाए.सुनवाई के दौरान, कल्याण बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी दलीलों (चसमंकपदहे) से बाहर नहीं जाना चाहिए. इसपर पीठ ने कहा कि अगर वे दलीलों से बाहर जाते हैं, तो चुनाव आयोग इसकी जांच कर सकता है और यह तर्क आयोग के समक्ष उठाया जाना चाहिए. नायडू ने चुनाव चिन्ह विवाद के मामलों में एक टाइमलाइन दर्शाने वाला चार्ट सौंपा.बनर्जी ने तर्क दिया कि म्ब् ने उनके दावे के साथ एक नोटिस भेजा था और जवाब मांगा था, जो उन्होंने दे दिया. उन्होंने आगे कहा कि दूसरे पक्ष से भी जवाब मांगा गया था, लेकिन उन्होंने अपना जवाब दाखिल नहीं किया हैय यही दलीलें हैं. नायडू ने कहा, "म्ब् ऐसा पहली बार नहीं कर रहा है..."पीठ को बताया गया कि चुनाव चिन्ह के

विवादों में समय लगना तय है क्योंकि पार्टी कार्यकर्ताओं के हलफनामों की संख्या लाखों में होगी. हालांकि, पीठ इस मामले पर तीन महीने के भीतर फैसला कर सकती है, यह बताते हुए कि मामले को चुनाव आयोग के पास पहुंचे पहले ही तीन महीने बीत चुके हैं.पीठ ने चुनाव आयोग को मामले पर तीन महीने के भीतर फैसला करने का निर्देश देते हुए, प्रतिद्वंद्वी प्रतिवादियों और याचिकाकर्ता को अतिरिक्त दस्तावेज या शपथ पत्र या जवाबी शपथ पत्र दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया.पीठ ने यह आदेश तृणमूल कांग्रेस की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया, जिसमें उन्होंने प्रतिद्वंद्वी पार्टी गुटों के बीच विवाद के बीच अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के नाम और उसके आरक्षित चुनाव चिन्ह पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी थी.24 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह पार्टी के नाम और 'फूल और घास' चुनाव चिन्ह को लेकर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के दो विरोधी गुटों के बीच चल रहे विवाद पर अंतिम फैसला करने के लिए एक स्पष्ट समय सीमा बताए.इससे पहले, चुनाव आयोग ने एक दिन पहले अपने अंतरिम फैसले के बाद दोनों विरोधी गुटों को अलग–अलग नाम और चुनाव चिन्ह दिए थे, जिसमें विवाद का अंतिम फैसला होने तक दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और उसके आरक्षित चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने से रोक दिया गया था.ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं को सुनने के बाद, चुनाव आयोग ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि इस मामले में चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आद. ेश, 1968 के प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग द्वारा ठोस निर्णय लिया जाना जरूरी है.सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी को प्रतिवादी बनाया है.

प्रयागराज में नशे के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ः 11 हजार कोडीन सीरप और 1 लाख से अधिक नशीली टैबलेट बरामद

प्रयागराज : कमिश्नरेट पुलिस और औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने अतरसुइया क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित एक गोदाम पर छापा मारकर नशीली व प्रतिबंधित दवाओं का विशाल जखीरा बरामद किया है. कल्याणी देवी चौकी क्षेत्र में नाले के पास एक बंद गोदाम से 11,037 शीशी कोडीनयुक्त कफ सीरप, 11,825 नशीले इंजेक्शन, 35,520 कैप्सूल और 1,61,400 टैबलेट समेत भारी मात्रा में सामग्री जब्त की गई है. पुलिस ने मुख्य आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है. डीसीपी सिटी सागर जैन ने बताया, सोमवार रात करीब 2 बजे गश्त के दौरान अतरसुइया पुलिस को कल्याणी देवी क्षेत्र स्थित एक मकान के पीछे बने गोदाम में अवैध दवाओं के भंडारण की सटीक सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही एसीपी अतरसुइया, थाना पुलिस और प्रयागराज के ड्रग इंस्पेक्टर की संयुक्त टीम ने गोदाम पर छापा मारा. निरीक्षण के दौरान गोदाम का कोई वैध लाइसेंस या आधिकारिक दस्तावेज नहीं मिला.प्रतिबंधित इंजेक्शन और साइकोट्रोपिक दवाएं शामिल : कार्रवाई के दौरान विभिन्न कंपनियों के कोडीनयुक्त कफ सीरप के अलावा एनडीपीएस एक्ट के तहत आने वाले साइकोट्रोपिक साल्ट्स जैसे अल्प्राजोलम,

ट्रामाडोल की टैबलेट्स, ब्यूप्रेनॉर्फिन और पेंटाजोसिन लैक्टेट के भारी संख्या में इंजेक्शन बरामद किए गए. ड्रग इंस्पेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर बरामद माल की कीमत लगभग 1 करोड़ है.किराए पर गोदाम लेकर पति–पत्नी चला रहे थे नेटवर्क : जांच में सामने आया है कि पास के गुजराती मोहल्ला निवासी अरुणी सहगल ने बुजुर्ग महिला (बेबी टंडन) से यह गोदाम पिछले 10–11 महीनों से किराए पर ले रखा था. आरोपी अपनी पत्नी के साथ मिलकर इस अवैध भंडारण और आपूर्ति के नेटवर्क को संचालित कर रहा था. आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास भी एनडीपीएस एक्ट से जुड़ा रहा है.सप्लाई चेन और लीकेज की जांच जारी : अतरसुइया थाने में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है. पुलिस और औषधि विभाग अब जब्त दवाओं के बैच नंबरों के आधार पर संबंधित फार्मा कंपनियों से पत्राचार कर रहे हैं, यह पता लगाया जा सके कि दवाएं किस स्तर से लीक होकर अवैध बाजार में खपाई जा रही थीं.

'राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी, असलियत को समझ नहीं पाते', ज्ञानेश कुमार SIR के मुद्दे पर BJP का पलटवार

भारतीय जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और ैप्त् के मुद्दे पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पलटवार किया है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि किसी जमाने में एंटी–इनकम्बेंसी कांग्रेस पर भी बेअसर थी। बीजेपी नेता ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है। वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं। उनका विवेक शून्य है। राहुल गांधी अपने दम पर एक भी सीट नहीं जीत सकते हैं।

देश में एंटी–इनकम्बेंसी एक स्थापित सच

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में एंटी–इनकम्बेंसी (मौजूदा सरकार के खिलाफ नारा. जगी) एक स्थापित सच है और यह बात बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से ही देखी जा रही है। कांग्रेस के खिलाफ एंटी–इनकम्बेंसी निश्चित रूप से बहुत लगातार और मजबूत रही है। राहुल गांधी को भारतीय राजनी. ति की समझ नहीं है।'बीजेपी ने कांग्रेस को याद दिलाया एंटी–इनकम्बेंसी का इतिहासबीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, '1967 के बाद से कांग्रेस तमिलनाडु में कभी सत्ता में नहीं लौटी, जबकि उस समय भारतीय जनता पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था। 1977 के बाद से कांग्रेस बंगाल में सत्ता में नहीं लौटी। वहां 1977 से 2011 तक 34 साल कम्युनिस्टों का शासन रहा, फिर भी राहुल गांधी न तो इसे समझते हैं और न ही देखते हैं। और फिर भी वे एंटी–इनकम्बेंसी का मुद्दा उठाते हैं। एक दौर ऐसा भी था जब कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही। वोटर आईडी कार्ड से पहले का दौर, जिसमें बूथ कैप्चरिंग, बैलेट बॉक्स लूटना और गोलीबारी जैसी घटनाएं होती थीं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में शायद ही कोई चुनाव ऐसा होता था जिसमें लोग मारे या घायल न हों। उस समय, कांग्रेस के खिलाफ एंटी–इनकंबेंसी काम नहीं करती थी।'

कांग्रेस पार्टी लगातार 100 सालों से सत्ता में रही– ठश्रच्

बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि सत्ता–विरोधी भावना असल में कांग्रेस पार्टी के अंदर है, खासकर गांधी परिवार में। कांग्रेस पार्टी लगातार सौ सालों से सत्ता में रही है। लेकिन आज, सत्ता–विरोधी भावना इतनी मजबूत हो गई है कि ये किसी सहयोगी के सहारे के बिना एक भी सीट नहीं जीत सकते। पिछले 25 सालों से कांग्रेस पार्टी रायबरेली और अमेठी में सिर्फ समाजवादी पार्टी के समर्थन से ही जीतती आ रही है। वरना, न तो सोनिया गांधी और न ही राहुल गांधी में इतनी काबिलियत है कि वे समाजवादी पार्टी के समर्थन के बिना अपने परिवार के गढ़ों को अपने दम पर जीत सकें। इसी तरह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वायनाड में जीते, लेकिन वे मुस्लिम लीग के समर्थन से जीते, एक ऐसी सीट पर जहां मुस्लिम आबादी 60 से 65 प्रतिशत है। उनमें मुस्लिम लीग के समर्थन के बिना सीट जीतने की काबि. लियत और राजनीतिक हैसियत नहीं है। इसलिए, मेरा मानना घ्है कि राहुल गांधी के अनुभव की कमी के बारे में जो आकलन किया गया है, वह बिल्कुल सही है। राजनीतिक रूप से, उन्हें लगभग कोई जानकारी नहीं है, बल्कि उनमें भारतीय राजनीति की बुनियादी समझ की भी कमी है।'प्रेस की आजादी का करता हूं सम्मान– सुधांशु त्रिवेदी

बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'किसी भी खबर के मामले में और मैं यह बात प्रेस की आजादी का सम्मान करते हुए कह रहा हूं – संबंधित व्यक्ति से हमेशा सवाल पूछे जाते हैं और उनका बयान लिया जाता है। क्या उस बयान को कोट किया जाता है? नहीं। क्या आपके पास ऐसी एक भी रिपोर्ट है जिससे पता चले कि फैसला सर्वसम्मति से नहीं हुआ था? नहीं। क्या कोई ऐसी प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई है जिसमें तीनों कमिश्नर मौजूद न हों? नहीं। तो फिर इस दावे का आधार क्या है?'

शिमला में कार और रोडवेज बस की जोरदार टक्कर, माता–पिता और दादी की मौतय परिवार में पसरा मातम

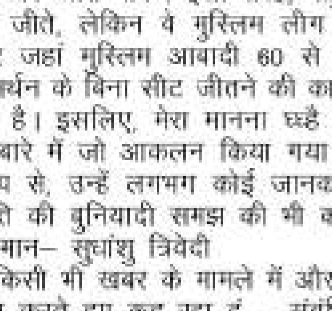

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के घणाहट्टी क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार को जिंदगी भर का गम दे दिया। घंडल–सोलह मील के पास कार की भ्त्ज्ब् बस से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार बेटे ने अपनी मां, पिता और दादी को खो दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक घायल बताया जा रहा है और उसे उपचार के लिए प्ळड्ब् अस्पताल पहुंचाया गया है।हादसे में युवक घायल,माता–पिता और दादी की मौतबताया जा रहा है कि परिवार सुबह इलाज के लिए प्ळड्ब् अस्पताल पहुंचा था। दवा लेने के बाद सभी कार में सवार होकर वापस घणागुघाट लौट रहे थे। इसी दौरान घंडल–सोलह मील के पास उनकी कार भ्त्ज्ब् बस की चपेट में आ गई। कार में दो महिलाएं और दो पुरुष सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक और घायल फांजी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा ओवरस्पीड और पास लेने के दौरान हुआ। हालांकि हादसे में किसकी गलती थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। एक ही हादसे में मे दो बहनों की मौतवहीं, शिमला के चोपाल सब–डिविजन के टेलर गांव में दो बहनें (उम्र 11 और 8 साल) अपने घर पर बेहोश मिलीं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जितेंद्र चौहान की बेटियां 20 सितंबर को अपने कमरे में बेहोश मिलीं और उन्हें तुरंत ट्यूनी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रोहरू अस्पताल रेफर किया गया और बाद में इंदि. रा गांधी मेडिकल कॉलेज (प्ळडब्), शिमला भेज दिया गया। इलाज के दौरान लड़कियों की मौत हो गई और अधिकारियों ने पोस्टमार्टम के बाद उनके शव परिवार को सौंप दिए। नेरवा के नायब तहसीलदार कुश कुमार ने कहा कि शुरुआती जांच से मौत का कारण सांप का काटना लग रहा

श्वेता विजन
सच देखें | सही दिखाएं

गया जी के इस मंदिर में लोग जीते–जी करते हैं अपना पिंडदान और श्राद्ध, जानिए इसके पीछे की क्या है वजह और धार्मिक मान्यताएं

पितृ पक्ष पितरों को समर्पित होता है। यह समय पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए अति उत्तम माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पितृ पक्ष में पूर्वज धरतीलोक पर आते हैं और अपने वंशजों पर आशीर्वाद बरसाते हैं। यही वजह है कि पितृ पक्ष में पित. रों को प्रसन्न करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। पिंडदान एक पवित्र श्राद्ध कर्म है जो दिवंगत आत्माओं की शांति और मोक्ष के लिए किया जाता है। माना जाता है कि बिहार के गया जी में पितरों का पिंडदान करने से पूर्वजों को आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनकी मोक्ष यात्रा सुनिश्चित होती है।

गया जी में पिंडदान का महत्व

मान्यता है कि गया जी वह पवित्रतम स्थान है जहां भगवान विष्णु ने पूर्वजों को मोक्ष प्रदान किया था। विष्णुपुराण और वायुपुराण में गया जी को मोक्ष की भूमि कहा गया है। इसे विष्णु नगरी के रूप में भी जाना जाता है। कहते हैं यहां स्वयं विष्णु पितृ देवता के रूप में मौजूद हैं। शास्त्रों में कहा गया है गया जी वो स्थान है जहां पिंडदान करने से 108 कुलों और आने वाली सात पीढ़ियों का उद्धार होता है। गया में इस समय 48 वेदियां हैं, जहां पर पितरों का पिंडदान किया जाता है। यहीं पर एक जगह है– अक्षयवट, जहां पितरों के निमित दान करने की परंपरा है।

गया जी में एक ऐसा मंदिर भी जहां लोग जीवित रहते हुए स्वयं अपना पिंडदान और श्राद्ध करते हैं। गया के इस अनोखे और प्रसिद्ध मंदिर का नाम जनार्दन मंदिर है, जो भस्मकूट पर्वत पर स्थित है। पितृ पक्ष के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ रहती है। गया जी में स्थित यह इकलौता ऐसा मंदिर है जहां लोग जीते–जी अपना पिंडदान करते हैं। इस मंदिर में भगवान विष्णु जनार्दन स्वरूप में विराजमान हैं। जीवित रहते पिंडदान करने के पीछे की वजह और धार्मिक मान्यताएंहिंदू धर्म में मृत्यु पश्चात दिवंगत की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए पिंडदान करना अत्यंत जरूरी होता है। माना जाता है कि मृत्यु के बाद अगर किसी का पिंडदान और तर्पण नहीं जाता है तो उसकी आत्मा को शांति नहीं मिलती है और धरती पर ही भटकती रहती है। ऐसे में जिनकी कोई संतान नहीं है या फिर परिवार में ऐसा कोई नहीं जो उनका पिंडदान करें। तब ऐसे लोग मरने से पहले गया जी के जनार्दन मंदिर में जीवित रहते हुए अपना पिंडदान करते हैं। इसके अलावा जो लोग वैराग्य या संन्यास ले लेते हैं वे भी इस मंदिर में अपना पिंडदान करने के लिए आते हैं। धार्मिक मान्यताओ. ं के अनुसार, जनार्दन मंदिर में भगवान विष्णु खुद पिंड ग्रहण करते हैं।

मृत्यु के बाद पिंडदान करने की जरूरत नहीं पड़ती

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गया जी में अगर कोई व्यक्ति जीवित रहते हुए अपना श्राद्ध और पिंडदान करता है तो उसकी मृत्यु के बाद उसके परि. जनों को श्राद्ध कर्म नहीं करना पड़ता है। पिंडदान करने के बाद मृत्यु के बाद आत्मा को यमलोक या अन्य लो.

शरीर में है आयरन की कमी तो प्तवद–त्पबी डमंस के साथ भूलकर भी न खाएं ये चीजें, एक्सपर्ट ने बताया क्यों?

शरीर में आयरन की कमी है होने पर लोग आयरन से भरपूर फूड्स खाना शुरू कर देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं आयरन रिच मील के साथ किन चीजों को नहीं खाना चाहिए। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट और वेट लॉस स्पेशलिस्ट लीमा महाजन कहती हैं कुछ फूड्स और दवाएं आयरन के अब्सॉर्प्शन को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे शरीर को आयरन का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। इसलिए आयरन रिच मील के साथ इन चीजों को लेने से बचने की सलाह दी जाती है।आयरन रिच मील के साथ न खाएं ये चीजेंबैंगनः लीमा महाजन कहती हैं कि बैंगन को आयरन रिच मील के साथ लेने को लेकर सावधानी बरतने की सलाह देती हैं। वह कहती हैं कि बैंगन के छिलके में एक एंटी ऑक्सीडेंट्स होता है जिसे नेसोनिन कहते हैं। यह जब डाजेस्टिव ट्रेक के साथ आयरन में बंधता है तो बॉडी उसे अब्सॉर्ब नहीं कर पाती है। तो इसलिए आयरन रिच मील या सप्लीमेंट्स के साथ बैंगन न खाएं और अगर खाना है तो उसका छिलका निकालकर खाएंडेयरी फूड्सः डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध दही और पनीर में कैल्शियम बहुत ज्यादा मात्रा में होते हैं। जब आप इन्हें आयरन के साथ में खाते हैं तो कैल्शयम के मॉलिक्यूल्स बहुत ज्यादा स्ट्रांग और बड़े होते हैं जो आयरन को अब्जॉर्प्शन नहीं होने देते हैं। इसलिए डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ आयरन फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिएएंटासिडः अगर आप खाना खाने से पहले एंटासिड दवाएं लें रहे हैं तो ऐसा न करें। पेट का एसिड आयरन के अवशोषण में भूमिका निभाता है, इसलिए कुछ एंटासिड आयरन के अवशोषण को प्रभावित कर सकते हैं। आयरन रिच फूड्स, सप्लीमेंट्स और एंटासिड दवाओं के बीच कम से कम चार घंटे का अंतर

पितृदोष के लक्षणः क्या आपकी कुंडली में है पितृदोष इन संकेतों से समझें और जानें दूर करने के उपाय

पितृदोष के लक्षणः क्या आपकी कुंडली में है पितृदोष? इन संकेतों से समझें और जानें दूर करने के उपाय पितृपक्ष में पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने की परंपरा है। ज्योतिष शास्त्र में पितृदोष को पूर्वजों से जुड़े कर्मों और कुंडली में ग्रहों की कुछ विशेष स्थितियों से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि इसका प्रभाव परिवार में आर्थिक परेशानी, कलह, विवाह और संतान से जुड़ी बाधाओं के रूप में दिखाई दे सकता है। इस साल पितृपक्ष 26 सितंबर से शुरू होकर 10 अक्टूबर तक चलेगा। ऐसे में आइए जानते हैं पितृदोष कब लगता है, इसके कौन–कौन से संकेत बताए गए हैं और इससे जुड़े उपाय क्या हैं।कब लगता है पितृदोष?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब पूर्वजों का अंतिम संस्कार, श्राद्ध या तर्पण उचित तरीके से नहीं हो पाता, तब पितृदोष की स्थिति मानी जाती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में कुंडली में सूर्य–राहु, सूर्य–शनि की युति या नवम भाव में राहु को पितृदोष से जोड़ा गया है।संतान और विवाह में बाधापितृदोष के संकेतों में संतान सुख में रुकावट को प्रमुख माना जाता है। संतान प्राप्ति में देरी, गर्भपात या संतान से जुड़ी परेशानियों को इससे जोड़ा जाता है। इसी तरह विवाह में बार–बार अड़चन आना, रिश्ता तय होने में देरी या शादी के बाद दांपत्य जीवन में परेशानी को भी पितृदोष का संकेत माना जाता है।

आर्थिक संकट और कलह

मेहनत के बावजूद आर्थिक परेशानी बने रहना, व्यापार में लगातार नुकसान होना या कर्ज बढ़ना भी पितृदोष के संकेत बताए हैं। परिवार में छोटी–छोटी बातों पर विवाद, भाई–बहनों के बीच जमीन–जायदाद को लेकर झगड़े और घर में लगातार अशांति को भी इससे जोड़कर देखा जाता है।सेहत से जुड़े संकेत

परिवार के किसी सदस्य का बार–बार बीमार पड़ना या इलाज के बाद भी स्वास्थ्य समस्या बनी रहना। इसके अलावा सपने में बार–बार पूर्वजों का दिखाई देना, उन्हें असंतुष्ट देखना या डरावने सपने आना भी इसके संकेत बताए गए हैं। खाना खाते समय बार–बार बाल निकलना और घर में अचानक पीपल का पौधा उगना भी पितृदोष से संबंधित मान जाता है।

पितृदोष के उपायपितृपक्ष के साथ हर अमावस्या पर पितरों के निमित्त तर्पण करने की मान्यता है। पितृपक्ष में पूर्वजों की मृत्यु तिथि पर श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करें। पूर्वजों की मृत्यु तिथि पता न हो तो पितृपक्ष में सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध–दान करने की मान्यता है।

पितृपक्ष में कौवा, गाय, कुत्ता, चींटी और मछली को चावल के पिंड या रोटी खिलाएं। अमावस्या और पितृपक्ष में पीपल के पेड़ पर जल, दूध और काला तिल अर्पित करें।सर्वपितृ अमावस्या से अगली अमावस्या तक सूर्यास्त के समय पीपल के नीचे शुद्ध घी का दीपक जलाएं। तांबे के पात्र में जल, लाल फूल और लाल चंदन डालकर सूर्य देव को अर्घ्य दें और 'ध सूर्याय नमः' का जाप करें।

दुर्गा सप्तशती या सुंदरकांड का पाठ करने के साथ शिव मंदिर में 'ध नमः शिवाय' या 'ध तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात' का जाप करने की मान्यता है।(क्पेबसंपउअचानक पीपल का पौधा उगना भी पितृदोष से संबंधित मान जाता है।पितृदोष के उपायपितृपक्ष के साथ हर अमावस्या पर पितरों के निमित्त तर्पण करने की मान्यता है। पितृपक्ष में पूर्वजों की मृत्यु तिथि पर श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करें। पूर्वजों की मृत्यु तिथि पता न हो तो पितृपक्ष में सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध–दान के उपायपितृपक्ष के साथ हर अमावस्या पर पितरों के निमित्त तर्पण ने की पितृपक्ष में कौवा, गाय, कुत्ता, चींटी और मछली को चावल के पिंड या रोटी खिलाएं। अमावस्या और उमतः यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओ. ं पर आधारित हैं। इसका कोई भी वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इंडिया टीवी एक भी बात की सत्यता का प्रमाण नहीं देता है।)

वेट लॉस के दौरान क्यों बढ़ जाती है मीठा खाने की क्रविंग? डॉक्टर ने बताया इसकी पीछे की वजह

आज के समय वेट लॉस करना काफी चौलेंजिंग हो गया है। जब लोग वजन घटाना शुरू करते हैं, तो अक्सर एक अजीब सी क्रेविंग होती है। आप जितना अपनी डाइट पर कंट्रोल करने की कोशिश करें, मीठा खाने की क्रेविंग उतनी ही बढ़ जाती है। दोपहर के खाने के बाद या रात को डिनर के बाद कुछ न कुछ मीठा खाने की बहुत ज्यादा क्रेविंग होती है। कई बार तो इतनी ज्यादा क्रेविंग होती है कि इसे कंट्रोल कर पाना मुश्किल हो जाता है और लोग न चाहते हुए भी मीठा खा लेते हैं। लेकिन क्या कभी आपने ये सोचा है कि ऐसा क्यों होता है। दरअसल इसके पीछे एक शारीरिक (चीलेपव. सवहपबंस) कारण भी है जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। डॉ. प्रसन्ना कार्तिक एस, जनरल फिजिशियन एंड सीनियर कंसलटेंट, इंटरनल मेडिसिन, ग्लेनेगल्स बता रहे हैं कि ऐसा क्यों होता है।

हार्मोनल चेंजेज की वजह से होती है मीठी खाने की क्रेविंग

घ्रेलिनः यह हार्मोन भूख बढ़ाने का काम करता है। जब आप कैलोरी कम लेते हैं, तो भूख के ये संकेत और तेज करता है।लेप्टिनः यह हार्मोन शरीर के फैट से बनता है, जो दिमाग को एनर्जी और भूख को कंट्रोल करने में मदद करता है। वजनध्फैट कम होने पर लेप्टिन का स्तर घटने लगता है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को ज्यादा भूख महसूस होती है और लंबे समय तक वजन घटाना मुश्किल लगने लगता है।एनर्जी बचाने का तरीकाः हमारा शरीर अपनी बची हुई ऊर्जा की रक्षा करने के लिए बना है। जब कैलोरी की कमी होती है, तो शरीर को लगता है कि एनर्जी की कमी हो रही है। इस वजह से खाने की क्रेविंग होती है और खासतौर पर मीठा खाने का मन करता है। इसलिए वजन घटाने के दौरान शुगर क्रेविंग हमेशा अनुशासन की कमी नही होती, बल्कि यह डाइट में की गई कटौती पर शरीर की एक नेचुरलरिएक्शन हो सकती है।खाना छोड़ना, बहुत स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करना, या पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर न लेना भी कारण हो सकता है। इससे खाना खाने के तुरंत बाद फिर से भूख लगने लगती है।वहीं कुछ लोगों में ब्लड शुगर के उतार–चढ़ाव से भी ऐसा महसूस हो सकता है, हालांकि मीठा खाने की क्रेविंग का मतलब हमेशा लो ब्लड शुगर होना नहीं होता। मीठी चीजें दिमाग के उस हिस्से को सक्रिय करती हैं जो खुशी और संतुष्टि से जुड़ा है। जब कोई व्यक्ति तनाव में होता है, नींद पूरी नहीं लेता, या पसंदीदा खाने से दूर रहता है, तो मीठे की तलब बढ़ जाती है। किसी भी खाने को पूरी तरह से ''मना'' कर देने से संतुलित डाइट बनाए रखना और मुश्किल हो जाता है।क्रेविंग को कैसे कंट्रोल करें? अपनी डाइट में भरपूर पोषण, प्रोटीन और फाइबर लें।भोजन समय पर करें और कैलोरी की कटौती उतनी ही करें जो शरीर संभाल सके।

अच्छी नींद, स्ट्रेस मैनेजमेंट और फिजिकल एक्टिविटी भी भूख को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते हैं।डॉक्टर की सलाह कब लें? कभी–कभार मीठा खाने का मन होना आम बात है और इसका मतलब यह नहीं है कि डायबिटीज या कोई हार्मोनल समस्या है। हालांकि, अगर बहुत ज्यादा प्यास लगने, बार–बार पेशाब आने या बिना वजह थकान महसूस होने के साथ लगातार मीठा खाने की क्रेविंग हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

ये 5 ऋण परेशानियों का बनते हैं कारण, जीवन सुख–शांति से बिताना है तो इन कर्ज को जरूर उतारें, शास्त्रों में बताया है महत्व

व्यक्ति का जीवन केवल उसके कर्मों तक सीमित नहीं माना गया है, बल्कि परिवार, देवी–देवताओं, ऋषियों और समाज के प्रति भी कुछ कर्तव्य बताए हैं। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जन्म लेते ही मनुष्य पर 5 तरह के ऋण माने जाते हैं। इन्हें पितृ, मातृ, देव, ऋषि और मनुष्य ऋण कहा गया है। मान्यता है कि इन दायित्वों को निभाने से जीवन में सुख–शांति बनी रहती है, वरना व्यक्ति को जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

1. मातृ ऋण का संबंध मां और उनके परिवार से माना जाता है। इसमें नाना–नानी, मामा–मामी, मौसा–मौसी और मातृ पक्ष की पूर्व पीढ़ियों को भी शामिल किया जाता है। धार्मिक मान्यता में मां को विशेष सम्मान दिया गया है। कहा जाता है कि माता का अपमान करना या उन्हें कष्ट पहुंचाना जीवन में परेशानियों का कारण बन सकता है। इसलिए माता और मातृ पक्ष के प्रति सम्मान और कर्तव्य निभाना जरूरी माना गया है।

2. पितृ ऋण में पिता के साथ दादा–दादी, ताऊ–चाचा और पूर्वजों की पीढ़ियों को शामिल किया जाता है। मान्यता है कि पूर्वजों के प्रति सम्मान और उनके निमित्त श्राद्ध–तर्पण करना संतान का दायित्व है। धार्मिक मान्यताओं में पितरों की उपेक्षा को परिवार में विभिन्न तरह की परेशानियों से जोड़ा गया है।

पितृ ऋण से जुड़े धार्मिक उपायों में श्रीमदभागवत महापुराण का पाठ, हवन, तर्पण और पिंडदान आदि का उल्लेख मिलता है। गया जी जाकर पितरों का श्राद्ध और पिंडदान करने

की भी परंपरा है।

3. देव ऋण का संबंध देवी–देवताओं और कुल देवता के प्रति कर्तव्य से माना जाता है। धार्मिक परंपरा में माता–पिता को प्रथम देवता कहा गया है। इसके बाद व्यक्ति अपने इष्ट देव और कुल देवता की पूजा करता है। मान्यता है कि नियमित रूप से देवी–देवताओं का स्मरण और पूजा करना इस ऋण के प्रति कर्तव्य निभाने का एक तरीका है।

4. ऋषि ऋण, जिस ऋषि के गोत्र से व्यक्ति का संबंध माना जाता है, उनके प्रति सम्मान को यह ऋण से जोड़ा गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऋषियों के ज्ञान और परंपरा को आगे बढ़ाना इस ऋण को चुकाने का माध्यम माना जाता है। इसी कारण धार्मिक परंपराओं में ऋषि तर्पण और अपने गोत्र का स्मरण करने का महत्व बताया गया है।

5. मनुष्य ऋण का दायरा काफी व्यापक माना गया है। इसमें उन लोगों के प्रति कृतज्ञता शामिल है, जिन्होंने जीवन में किसी न किसी रूप में मदद, स्नेह या सहयोग दिया। पशु–पक्षियों और प्रकृति से मिलने वाले सहयोग को भी इससे जोड़ा जाता है। जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद करना, किसी का हक न छीनना और दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना इस ऋण को निभाने का एक तरीका बताया गया है।

बेंजनतकौप टतंज झंजीं: क्यों मनाई जाती है अनंत चतुर्दशी? जानें 14 गांठों वाले अनंत सूत्र का रहस्य और पौराणिक कथा

अनंत चतुर्दशी का पावन पर्व इस साल 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा का विधान है। पंचांग अनुसार अनंत चतुर्दशी की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06:11 से शुरू होकर रात 11:06 बजे तक रहेगा। आप इस बीच कभी भी भगवान विष्णु की पूजा कर सकते हैं। लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जिन भी लोगों ने अनंत चतुर्दशी का व्रत रखा है उन्हें इस पर्व की पावन कथा को जरूर पढ़ना चाहिए। ये कथा बताती है कि अनंत चतुर्दशी का त्योहार क्यों मनाया जाता है और इसका महत्व क्य है।

अनंत चतुर्दशी व्रत कथा

अनंत चतुर्दशी की पावन कथा अनुसार प्राचीन काल में सुमंत नाम का एक तपस्वी ब्राह्मण था। जिसकी पत्नी का नाम दीक्षा था। उसकी एक कन्या भी थी जो बहुत सुंदर और धर्मपरायण थी। उस कन्या का नाम सुशीला था। सुशीला जब बड़ी हुई तो उसकी माता की मृत्यु हो गई। पत्नी के मरने के बाद सुशीला के पिता ने कर्कशा नामक स्त्री से दूसरा विवाह कर लिया। तो वहीं सुशीला का विवाह सुमंत ने कौडिन्य ऋषि के साथ कर दिया। लड़की की विदाई में जब कुछ देने की बात आई तब सौतेली मां ने दामाद को कुछ ईंटें और पत्थरों के टुकड़े बांध कर दे दिए। ये देख कौडिन्य ऋषि को बेहद दुख हुआ और वे अपनी पत्नी को लेकर अपने आश्रम की ओर चल दिए। सुशीला ने रखा अनंत व्रत

रास्ते में ही रात हो गई इसलिए वे नदी तट पर संध्या करने लगे। सुशीला ने देखा वहां पर बहुत–सी स्त्रियां किसी देवता की पूजा पर रही थीं। सुशीला ने जब स्त्रियों से इस बारे में पूछा तो उसे अनंत व्रत के बारे में पता चला। सुशीला ने भी वहीं उस व्रत का अनुष्ठान किया और साथ ही चौदह गांठों वाला डोरा हाथ में बांध कर अपने पति के पास आ गई। कौडिन्य ने सुशीला से डोरे के बारे में पूछा तो उसने सारी बात बता दी। लेकिन कौडिन्य ऋषि ने डोरे को तोड़ कर अग्नि में डाल दिया। इससे भगवान अनंत का अपमान हुआ। परिणामतः ऋषि कौडिन्य की सारी सम्पत्ति धीरे–धीरे नष्ट हो गई।

जब अनंत भगवान ने दिए दर्शन

एक दिन ऋषि ने अपनी पत्नी से इस दरिद्रता का कारण पूछा तो सुशीला ने उनसे विनयपूर्वक कहा – हे स्वामी! आपके द्वारा किये गये अनन्त सूत्र के अनादर के कारण ही हमारी सारी संपत्ति नष्ट हुयी है। यह सुनकर अपने पाप का पश्चाताप करने हेतु ऋषिवर अनंत भगवान को खोजते हुये वन में चले गये। बहुत समय व्यतीत होने पर भी जब उन्हें प्रभु के दर्शन नहीं हुये तो ऋषिवर व्याकुल होकर मूर्छित हो गये। तब अनंत भगवान प्रकट होकर बोलेः हे कौडिन्य! तुमने मेरा अपमान किया था, जिस कारण तुम्हें इतना कष्ट भोगना पड़ा। लेकिन अब तुमने पश्चताप किया है इसलिए मैं तुमसे प्रसन्न हूं। अब तुम घर जाकर चौदह

CEC ज्ञानेश कुमार पर लगे हैं गंभीर आरोप, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के क्या हैं नियम?

भारत निर्वाचन आयोग (म्ब्) के भीतर आंतरिक मतभेदों की मीडिया रिपोर्टों के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के शीर्ष चुनावी नेतृत्व पर तीखा हमला किया और कथित वोट चोरी में शामिल लोगों को साफ तौर पर "देशद्रोही" बताया। मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञान कुमार के नेतृत्व में कामकाज के तरीकों और वोटर लिस्ट के डेटा मैनेजमेंट को लेकर 14 अलग–अलग मौकों पर औपचारिक रूप से लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं।इस विवाद पर विपक्ष ने जल्द ही संसद के दोनों सदनों में मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्म्) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाए जाने की बात कही है। कहा जा रहा है कि, इसके लिए कानूनी विशेषज्ञों की मदद से महाभियोग प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया जा रहा है और जल्द ही संयुक्त विपक्ष की ओर से दोनों सदनों में नोटिस सौंपा जाएगा। ऐसे में आने वाले समय में चुनाव आयुक्त के लिए परेशानी बढ़ सकती है।

अहम होता है सीईसी का पद

बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग में तीन चुनाव आयुक्त होते हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्म्) का पद सबसे अहम होता है। इसके अलावा चुनाव आयोग में दो और आयुक्त हैं, और इसी वजह से किसी भी तरह का फैसला या सहमति तीनों आयुक्तों की मर्जी से ली जाती है। यानी फैसला सर्वसम्मति से ही लिया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स की जांच से सामने आई इन बातों के कारण विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की है। तो ऐसे में जान लेते हैं कि संसद में किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की क्या प्रक्रिया होती हैचुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कैसे होती है?भारत निर्वाचन आयोग पर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने की बड़ी जिम्मेदारी होती है।

देश के राष्ट्रपति तीन सदस्यों वाली एक सिलेक्शन कमिटी की सिफारिश पर, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करते हैं।

इस कमिटी में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और केंद्रीय कैबिनेट का एक सदस्य शामिल होते हैं।

2023 के कानून के अनुसार, चुनाव आयुक्त के लिए नियुक्त होने वाले लोगों के पास पहले सरकार में सेक्रेटरी–लेवल के पदों पर काम करने का अनुभव होना चाहिए।

उन्हें ईमानदार होना चाहिए।

उन्हें चुनाव के मैनेजमेंट और संचालन का ज्ञान और अनुभव होना चाहिए।

आयुक्तों की नियुक्तियां छह साल के कार्यकाल या 65 साल की उम्र तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाती हैं।मुख्य चुनाव आयुक्त को वही सुविधाएं और आर्थिक लाभ मिलते हैं जो सुप्रीम कोर्ट के जजों को मिलते हैं।सीईसी को कैसे हटाया जा सकता है?संविधान के अनुच्छेद 324(5) के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से उसी तरह और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता हैयह बात 2023 के एक्ट की धारा 11(2) में भी कही गई है।

सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाने की प्रक्रिया बताई गई है, उन्हें केवल "साबित कदाचार या अक्षमता" के आधार पर ही हटाया जा सकता है। कदाचार में कोई भी भ्रष्ट तरीका या पद का गलत इस्तेमाल शामिल हो सकता है।अक्षमता का मतलब ऐसी स्थिति से है जब अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ हो।मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश के बिना किसी अन्य चुनाव आयुक्त या क्षेत्रीय आयुक्त को उनके पद से नहीं हटाया जाएगा।भारतीय निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दबाव से बचाने के लिए, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया को बहुत मुश्किल बनाया गया है।

महाभियोग प्रस्ताव लाने के बाद क्या होगामुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए, दोनों सदनों के सदस्यों को कदाचार या अक्षमता का स्पष्ट आरोप लगाते हुए एक प्रस्ताव का नोटिस लाना होगा, जिसे महाभियोग प्रस्ताव कहा जाता है। महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के लिए, लोकसभा में कम से कम 100 और राज्यसभा में 50 सांसदों के हस्ताक्षर होने चाहिए। यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो आरोपों की सच्चाई की जांच के लिए एक जांच की जाती है।

इसके बाद, पद से हटाने के प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों में मौजूद और वोट देने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से पास कराना होता है। एक बार प्रस्ताव पास हो जाने पर, राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का आदेश देते हैं। एक बार संवैधानिक जरूरतें पूरी हो जाने के बाद राष्ट्रपति के पास कोई विकल्प नहीं बचता, क्योंकि इस मामले में वे संसद की सलाह मानी जाती है।कब खारिज हुआ था महाभियोग प्रस्तावऔर राज्यसभा वाले प्रस्ताव पर 63 सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे। उस वक्त मुख्य चुनाव आयुक्त पर पक्षपाती और भेदभावपूर्ण व्यवहार करने और चुनाव में धोखाधड़ी और एसआईआर की जांच में बाधा डालने आरोप लगाए गए थे।

आखिर ऐसा क्या हुआ कि बैंक यूनियनों ने स्थगित कर दी 3 दिनों की हड़ताल, आज से ही शुरू होनी थी स्ट्राइक

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (न्थ्ठन्) ने रविवार, 27 सितंबर को एक बयान में कहा कि 28 से 30 सितंबर तक होने वाली 3 दिन की देशव्यापी बैंक हड़ताल को टाल दिया गया है। ये फैसला इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (प्ठ।) द्वारा बैंक यूनियनों की मांगों पर भरोसा दिलाने के बाद लिया गया, जिसम, बैंक कर्मचारियों के लिए प्रत्येक शनिवार को छुट्टी घोषित करने की लंबे समय से लंबित मांग भी शामिल है।ये फैसला रविवार रात 9:30 बजे प्ठ। और न्थ्ठन् के बीच हुई एक अहम मीटिंग के बाद लिया गया, जिसमें दोनों पक्षों ने 5–डे वर्किंग की मांग और यूनियनों द्वारा उठाए गए अन्य लंबित मुद्दों पर चर्चा की।

3 दिन की बैंक हड़ताल क्यों टाली गईन्थ्ठन् के बयान के अनुसार, हड़ताल को टालने का फैसला प्ठ। द्वारा यूनियनों की मांगों पर भरोसा दिलाने के बाद लिया गया। चर्चा के बाद, प्ठ। और न्थ्ठन् के प्रतिनिधियों वाली एक हाई–लेवल कमेटी बनाई जाएगी जो प्रत्येक शनिवार को छुट्टी घोषित करने की मांग की जांच करेगी। कमेटी संभावित विकल्पों पर विचार करेगी और इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों के साथ चर्चा करेगी। इसके साथ ही, कमेटी बैंक ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी पक्षों के लिए समाधान खोजेगी।

अभी हर महीने दो शनिवार को ही मिलती है छुट्टीबताते चलें कि बैंक कर्मचारी यूनियन लंबे समय से 5–डे वर्किंग यानी हर हफ्ते 2 छुट्टियों की मांग कर रहे हैं। मौजूदा सिस्टम में, बैंक प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं, जबकि बैंक यूनियन सभी शनिवारों को छुट्टी की मांग कर रहे हैं। बैंक यूनियन की ये मांग मार्च 2024 के वेतन समझौते (हम मजजसमउमदज) का भी हिस्सा थी, लेकिन इस प्रस्ताव पबत मुद्दों पर चर्चा करेंगी। उम्मीद है कि चर्चा का मुख्य फोकस बाकी मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने पर होगा।

क्या 28 सितंबर को बैंक खुले रहेंगे? 3 दिनों की हड़ताल को स्थगित करने के बाद अब देशभर के सभी बैंक सोमवार, 28 सितंबर को ही नहीं, बल्कि 29 और 30 सितंबर को भी सामान्य दिनों की तरह कामकाज करेंगे। न्थ्ठन् द्वारा बुलाई गई 3 दिनों की हड़ताल आज से ही शुरू होने वाली थी और ये बैंकों के छमाही क्लोजिंग पीरियड के समय ही होने वाली थी। न्थ्ठन् द्वारा प्रस्तावित इस हड़ताल को लेकर सबसे ज्यादा चिंता की बात ये थी कि इसे शनिवार और रविवार को लगातार दो दिनों की छुट्टी के ठीक बाद बुलाया गया था। ऐसे में, आम ग्राहकों के बैंकों से जुड़े जरूरी और महत्वपूर्ण काम लगातार 5 दिनों के लिए रुक जाते और देर हो जाते।हाई–लेवल कमिटी, प्ठ। और बैंक यूनियनों की बातचीत पर रहेगा खास फोकसवित्त मंत्रालय की घोषणा के बाद रविवार, 27 सितंबर को तमाम सरकारी बैंकों की ब्रांच खुली थीं ताकि ग्राहक 3 दिन के प्रस्तावित हड़ताल से पहले अपने जरूरी काम पूरा कर सकें। अब एक र आगे की कार्यवाही का इंतजार है। च्स्प् योजना पर भी शुरू हो सकती है चर्चाइसके साथ ही, बैंक यूनियनों ने स्केल प्ट और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (च्स्प्) योजना का भी मुद्दा उठाया है। न्थ्ठन् के बयान के अनुसार, अब प्ठ। के साथ च्स्प् योजना पर चर्चा शुरू हो सकती है। सरकार को कोई भी प्रस्ताव भेजने से पहले यूनियन और एसोसिएशन अपनी चिंताओं को दूर करने के लिए योजना में बदलाव की मांग कर रहे हैं।न्थ्ठन् ने कहा कि प्ठ। और बैंक यूनियनें 8 मार्च, 2024 की चर्चाओं के मिनट्स में लिस्ट किए गए अन्य लंबित मुद्दों पर चर्चा करेंगी। उम्मीद है कि चर्चा का मुख्य फोकस बाकी मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने पर होगा।

क्या 28 सितंबर को बैंक खुले रहेंगे? 3 दिनों की हड़ताल को स्थगित करने के बाद अब देशभर के सभी बैंक सोमवार, 28 सितंबर को ही नहीं, बल्कि 29 और 30 सितंबर को भी सामान्य दिनों की तरह कामकाज करेंगे। न्थ्ठन् द्वारा बुलाई गई 3 दिनों की हड़ताल आज से ही शुरू होने वाली थी और ये बैंकों के छमाही क्लोजिंग पीरियड के समय ही होने वाली थी। न्थ्ठन् द्वारा प्रस्तावित इस हड़ताल को लेकर सबसे ज्यादा चिंता की बात ये थी कि इसे शनिवार और रविवार को लगातार दो दिनों की छुट्टी के ठीक बाद बुलाया गया था। ऐसे में, आम ग्राहकों के बैंकों से जुड़े जरूरी और महत्वपूर्ण काम लगातार 5 दिनों के लिए रुक जाते और देर हो जाते।हाई–लेवल कमिटी, प्ठ। और बैंक यूनियनों की बातचीत पर रहेगा खास फोकसवित्त मंत्रालय की घोषणा के बाद रविवार, 27 सितंबर को तमाम सरकारी बैंकों की ब्रांच खुली थीं ताकि ग्राहक 3 दिन के प्रस्तावित हड़ताल से पहले अपने जरूरी काम पूरा कर सकें। अब एक हाई–लेवल कमिटी, प्ठ। और बैंक यूनियनों के बीच आगे की बातचीत पर खास नजरें होंगी, जिसमें 5–डे वर्किंग बैंकिंग वीक, सभी शनिवार को छुट्टी, च्स्प् स्कीम और दूसरी लंबित मांगों पर चर्चा की जाएगी।

एक शतक और 10 बड़े रिकॉर्ड, किंग कोहली ने पॉन्टिंग और सचिन को तोड़ा रिकॉड

तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का शानदार शतक अब खेल जगत में चर्चा का विषय बना गया है. इस मैच में उन्होंने विरोधी गेंदबाजों पर छक्कों की बौछार कर दी, जो उनके आम तौर पर खेले जाने वाले अंदाज से अलग था. 296 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने सिर्फ 88 गेंदों में 150 से ज्यादा स्ट्राइक रेट से नाबाद 139 रन बनाए. जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे. जो कि वनडे में एक पारी विराट द्वारा लगाया गया सबसे ज्यादा छक्का है. इस एक पारी से विराट ने 10 रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए.

10वां शतकयह वनडे में वेस्टइंडीज के खिलाफ कोहली का 10वां शतक है. श्रीलंका के बाद, उन्होंने इस फॉर्मेट में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही सबसे ज्यादा शतक लगाए हैं. कोहली ने इसी मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ भी अपना 10वां वनडे शतक लगाया था. किसी विरोधी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड अब उनके नाम है.मे शतक लगाया. वनडे क्रिकेट में यह उनका तीसरा सबसे तेज शतक है. इससे पहले, कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 और 61 गेंदों में वनडे शतक लगाए थे.कोहली के सबसे तेज ख्ळ शतक52 बनाम ऑस्ट्रेलिया, जयपुर 2013

61 बनाम ऑस्ट्रेलिया, नागपुर 2013

74 बनाम वेस्टइंडीज, तिरुवनंतपुरम 202676 बनाम श्रीलंका, होबार्ट 2012अपने करियर में पहली बार

विराट कोहली ने पहली बार अपने करियर में एक ही वनडे मैच में 9 छक्के लगाए. इससे पहले, उन्होंने 2016 में इसी मैदान पर श्रीलंका के खिला एक वनडे मैच में 8 छक्के लगाए थे.

लिस्ट । क्रिकेट में विराट कोहली का 60वां शतकलिस्ट । क्रिकेट में विराट कोहली का 60वां शतक (५।छ)7000 रकोहली घरेलू मैदान पर वनडे में 7,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं. घरेलू मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट, सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर हैं. सचिन ने अपने 23 साल के करियर में भारत के लिए 164 वनडे मैच खेले और 6,976 रन बनाए. लिस्ट । क्रिकेट में रिकॉर्डविराट को. हली ने अब लिस्ट । क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. सचिन ने लिस्ट । क्रिकेट में 60 शतक लगाए हैं. सचिन और कोहली के बाद इंग्लैंड के ग्राहम गूच (44 शतक) तीसरे नंबर पर हैपोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ाविराट को. हली ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. विराट भारत के लिए 112 वनडे मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत में शामिल रहे. जबकि पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया के लिए 111 मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत में शामिल हुएसबसे तेज 15,000 वनडे रनविराट कोहली इंटरनेशनल वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 15,000 रन पूरे करने वाले

रोहित–कोहली के 2027 वर्ल्ड कप खेलने पर हेड कोच गंभीर आया बड़ा बयान

: इस बात पर लगातार बहस चल रही है कि क्या स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले साल होने वाले ख्ळ वर्ल्ड कप में खेलेंगे या नहीं. जहां कुछ लोगों का मानना घ्है कि इस बड़े टूर्नामेंट में उन्हें नजर. अंदाज नहीं किया जाना चाहिए, वहीं कुछ का तर्क है कि युवा खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए. नतीजतन, 'रो–को' (रोहित–कोहली) जोड़ी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है.गंभीर ने क्या कहा?इस बीच, टीम इंडिया के हेड कोच ने एक अहम बयान दिया है. गंभीर का मानना है कि ये दोनों सीनियर खिलाड़ी 2027 ख्ळ वर्ल्ड कप की योजनाओं का हिस्सा हैं और उन्हें बोर्ड का समर्थन भी हासिल है, हेड कोच गंभीर ये बात वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाली ख्ळ सीरीज पहले जियोस्टार से बात करते हुए कही है.गंभीर ने कहा कि ख्ळ क्रिकेट के लिहाज से, मैदान पर शुभमन गिल और रोहित व विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का होना सौभाग्य की बात है. गंभीर ने यह भरोसा भी जताया कि जब विराट कोहली और रोहित शर्मा टीम में होंगे, तो गिल कप्तान के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे, उन्होंने यह भी कहा कि अगर 'रो–को' दोनों लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो टीम में उनकी जगह पर कोई खतरा नहीं होगा.वर्ल्ड कप जीतने की संभावना 90 प्रतिशत होगी

इससे पहले टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि अगर अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले बड़े टूर्नामेंट (2027 ख्ळ वर्ल्ड कप) के लिए टीम का हिस्सा बने रहते हैं, तो भारत के वर्ल्ड कप जीतने की संभावना 90 प्रतिशत होगी.पूरा देश रोहित–कोहली को वर्ल्ड कप में देखना चाहता हैएक और भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने भी 'रो–को' के बारे में एक दिलचस्प बयान दिया और इच्छा जताई कि वे विराट और रोहित को एक साथ 2027 ख्ळ वर्ल्ड कप जीतते हुए देखना चाहते हैं.रिंकू ने कहा, 'विराट भाई और रोहित भाई दोनों ही दिग्गज खिलाड़ी हैं. सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि पूरा देश उम्मीद करता है कि वे वर्ल्ड कप खेलें और उस टीम का हिस्सा बनें और कप जीतें. अगर ऐसा होता है, तो यह पूरे देश के लिए एक शानदार पल होगा क्योंकि यह उनका आखिरी वर्ल्ड कप (2027 ख्ळ वर्ल्ड कप) हो सकता है. साथ ही, हमने लंबे समय से ख्ळ वर्ल्ड कप नहीं जीता है. इस बड़े टूर्नामेंट में हमारी आखिरी जीत 2011 में हुई थी. अब इसे जीतना 'रो–को' जोड़ी के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि होगी. इसीलिए मुझे उम्मीद है कि वे दोनों टीम में बने रहेंगे और देश के लिए ट्रॉफी जीतेंगे.'रोहित–कोहली अब सिर्फ एक फॉर्मेट में खेलते हैं

बता दें कि 'रो–को' जोड़ी ने 2024 ढ20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद खुशी और संतुष्टि के साथ इंटरनेशनल ढ20 क्रिकेट को अलविदा कहा. अगले साल, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा कर दी. अब

आज एशियन गेम्स में सीमा से देश को गोल्ड की उम्मीद, 10 हजार मीटर प्रतियोगिता में जीत चुकी हैं ब्रॉन्ज

शिमला: जापान में चल रही एशियन गेम्स में आज फिर नजरें हिमाचल की उड़न परी सीमा पर होंगी. सीमा आज पांच हजार मीटर स्पर्धा में हिस्सा लेंगी. इस मुकाबले को लेकर न केवल हिमाचल प्रदेश बल्कि पूरे देश के खेल प्रेमियों की नजरें टिकी हैं. सभी को उम्मीद है कि सीमा इस बार देश की झोली में गोल्ड मेडल डालेंगी. ये मुकाबला आज शाम खेला जाएगा.सीमा ने इससे पहले 10 हजार मीटर की बेहद कठिन स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया था. हालांकि, उस दौड़ में वे बेहद मामूली अंतर से सोने का तमगा

हासिल करने से चूक गई थीं. अब वो 5 हजार मीटर के छोटे और तेज ट्रैक पर अपना दमखम दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. सीमा गृह जिले चंबा में सीमा की जीत को लेकर दुआओं का दौर जारी है. हर किसी की नजरें आज के इस रोमांचक मुक. ाबले पर टिकी हैं. सोशल मीडिया और दुआओं के जरिए लोग अपनी इस स्टार धाविका का हौसला बढ़ा रहे हैं. वहीं, भारत की स्टार धाविका पीटी ऊषा ने भी उनसे मुलाकात की है. इस मुलाकात की तस्वीरें सीमा ने अपने सोशल मीडिया हेंडल पर शेयर की हैं.सीमा हिमाचल के चंबा जिला के अति दुर्गम इलाके

ब्याज दरों में बढ़ोतरी को 25–50 इचे पर कर सकता है सीमित, 2027 तक महंगाई में आएगी कमी: नोमुरा

अगर आप अपने होम लोन या कार लोन की ईएमआई (म्डप्) बढ़ने से परेशान हैं, तो आपके लिए एक बहुत अच्छी खबर आ रही है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (त्ठप्) आने वाले दिनों में ब्याज दरों में बहुत मामूली बढ़ोतरी करने जा रहा है. दुनिया की जानी–मानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई इस बार ब्याज दरों को सिर्फ 0.25 से 0.50 फीसदी (25–50 बेसिस पॉइंट्स) तक ही बढ़ाएगा.

बाजार में यह डर बना हुआ था कि महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक ब्याज दरों में 1.25 फीसदी तक की बड़ी बढ़ोतरी कर सकता है. लेकिन नोमुरा के एक्सपर्ट्स का कहना है कि इतना बड़ा झटका लगने की कोई उम्मीद नहीं है. रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि इसकी 80 परसेंट संभावना है कि आरबीआई सिर्फ मामूली बदलाव करेगा, न कि ब्याज दरों को बहुत ज्यादा बढ़ाएगा.

क्या इस बार महंगी होगी आपकी ईएमआई?रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ती महंगाई को काबू में रखने के लिए आरबीआई आगामी अक्टूबर और दिसंबर की बैठकों में 0.25–0.25 फीसदी की दो छोटी बढ़ोतरी कर सकता है. अगर ऐसा होता है, तो देश में रेपो रेट बढ़कर 5.75 फीसदी पर पहुंच जाएगा. हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस बात का भी चांस है कि केंद्रीय बैंक केवल एक बार ही ब्याज दर बढ़ाए और फिर रुक जाए.राहत की बात यह है कि फरवरी 2027 के बाद ब्याज दरें बढ़ने का सिलसिला पूरी तरह थम जाएगा. ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तब तक देश में महंगाई की स्थिति में काफी सुधार आ चुका होगा और घरेलू बाजारों में मांग सामान्य हो जाएगी.

आम जनता के लिए क्यों अलग है इस बार की महंगाई?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस समय देश में महंगाई का जो ट्रेंड है, वो साल 2016–17 जैसा खतरनाक नहीं है. इस बार अच्छी बात यह है कि कोर इन्फ्लेशन (यानी कपड़े, मकान और ट्रांसपोर्ट जैसी बुनियादी चीजों की महंगाई) 5 परसेंट से घटकर सीधे 3 परसेंट पर आ गई है. फिलहाल केवल खाने–पीने की चीजों (सब्जियां, दालें आदि) के दाम ही चिंता का विषय बने हुए हैं. लेकिन सरकार लगातार सप्लाई को बेहतर बनाने के लिए कदम उठा रही है, जिससे आने वाले समय में खाने–पीने की चीजों की कीमतें भी कंट्रोल में आ जाएगी.2027 तक कितनी कम होगी महंगाई?नोमुरा की इस ऑथेंटिक रिपोर्ट में भविष्य को लेकर बहुत राहत देने वाले आंकड़े सामने आए हैं:

साल 2027 की शुरुआत में: कुल रिटेल महंगाई घटकर करीब 5.3 प्रतिशत पर आ जाएगी.

साल 2027 के आखिरी महीनों में: महंगाई में भारी गिरावट आएगी और यह 4 परसेंट के सुरक्षित स्तर से भी नीचे चली जाएगी.

पूरे साल का अनुमान: नोमुरा के मुता. बिक, वित्तीय वर्ष 2026–27 में औसत महंगाई 5.2 परसेंट और अगले साल

कितना खतरनाक है चक्रवात '।त्छ।ठ', बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन, किन राज्यों को खतरा?

कितना खतरनाक है चक्रवात '।त्छ।ठ', बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन, किन राज्यों को खतरा? बंगाल की खाड़ी में बने मौसम सिस्टम के कारण मंगलवार को ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हुई। प्डक् ने बताया कि यह सिस्टम डीप डिप्रेशन में बदल चुका है और तट की ओर बढ़ रहा है। फिलहाल, यह सिस्टम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक डीप डिप्रेशन के रूप में है और आगे चलकर खतरनाक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। चक्रवाती तूफानों के नामों की सूची के अनुसार, उत्तरी हिंद महासागर में बनने वाले अगले चक्रवात का नाम 'अर्नब' होगा।प्डक् का ताजा अपडेट

प्डक् ने बुधवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी के पश्चिम–मध्य और उससे जुड़े उत्तर–पश्चिम हिस्से में बना डीप डिप्रेशन पिछले छह घंटों में 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर बढ़ा। सुबह 5:30 बजे यह सिस्टम इसी क्षेत्र में केंद्रित था। यह कलिंगपट्टनम से करीब 70 किलोमीटर पूर्व–दक्षिण–पूर्व, गोपाल. पुर से 150 किलोमीटर दक्षिण, विशाखापत्तनम से 150 किलोमीटर पूर्व–उत्तर–पूर्व और पुरी से 230 किलोमीटर दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम में था।प्डक् के मुताबिक, इस मौसम सिस्टम के पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की बहुत अधिक संभावना है। यह बुधवार, 23 सितंबर की रात तक विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) और गोपालपुर (ओडिशा) के बीच, कलिंगपट्टनम के पास से उत्तर आंध्र प्रदेश–दक्षिण ओडिशा तट को डीप डिप्रेशन के रूप में पार कर सकता है।डीप डिप्रेशन और चक्रवाती तूफान को कैसे पहचाना जाता है?

प्डक् के अनुसार, मौसम विभाग कम दबाव वाले सिस्टम को उसकी तीव्रता और समुद्र के ऊपर अधिकतम लगातार हवा की गति के आधार पर वर्गीकृत करता है। 17 से 27 नॉट (31–50 किमी प्रति घंटे) की हवा की रफ्तार वाले सिस्टम को डिप्रेशन कहा जाता है।28 से 33 नॉट (52–61 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार वाले सिस्टम को डीप डिप्रेशन कहा जाता है।

34 नॉट (63 किमी प्रति घंटे) या उससे अधिक की रफ्तार वाले सिस्टम को चक्रवाती तूफान कहा जाता है।

इसका मतलब है कि हर लो प्रेशर सिस्टम अपने आप चक्रवात नहीं बनता। चक्रवाती तूफान की श्रेणी में आने के लिए सिस्टम को निर्धारित हवा की गति की सीमा पार करनी होती है।किन राज्यों पर पड़ेगा असर? ओडिशा सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल हो सकता है। राज्य के कई हिस्सों में पहले से ही भारी बारिश हो रही है। बुधवार रात डीप डिप्रेशन के राज्य से टकराने की शामिल हो सकता है। राज्य के कई हिस्सों में पहले से ही भारी बारिश हो रही है। बुधवार रात डीप डिप्रेशन के राज्य से टकराने की आशंका को देखते हुए सरकार ने रणनीतिक स्थानों पर कर्मचारी और मशीनरी तैनात कर दी है। 11 जिलों के कलेक्टरों ने वर्चुअल बैठक में हिस्सा लिया। अधिकारियों को जरूरत पड़ने पर लोगों को ठहराने के लिए चक्रवात और बाढ़ राहत केंद्र तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जरूरी सामान और उपकरणों का पर्याप्त भंडार तैयार रखा गया है। स्वास्थ्य और आपातक. ालीन सेवाओं को भी अलर्ट पर रखा गया है। आपदा प्रबंधन से जुड़ी टीमें भी हाई अलर्ट पर हैं। नदियों, जलाशयों और बांधों में पानी के स्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। ओडिशा में स्कूल बंद

भारी बारिश को देखते हुए ओडिशा के चार जिलों में स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने का फैसला किया गया है। प्डक् के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। खासकर उन क्षेत्रों में खतरा अधिक है, जहां पहले से लगातार बारिश हो रही है।

।ᵖ के मिसयूज पर भड़के सलमान खान, कैमरे पर ही दे डाली ये चेतावनी, बोले– जेल में डालो

बिग बॉस 20' के 'वीकेंड का वार' में शो के होस्ट सलमान खान ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।ᵖ) वीडियो से जुड़े एक और मुद्दे पर बात की. उन्होंने यह भी कहा कि वह ऐसे वीडियो को बढ़ावा देने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना चाहेंगे. सलमान ने यह भी बताया कि वह खुद भी पहले ऐसे वीडियो का शिकार हो चुके हैं, जिनमें उनकी मर्जी के बिना उनकी आवाज का इस्तेमाल किसी चीज को प्रमोट करने के लिए किया गया था. इस मसले पर उन्होंने सरकार से सोशल मीडिया पर सख्त सेंसरशिप लागू करने की भी अपील की.

सलमान खान ने बताया कि पहले लोग कैसे बुलीइंग और ईव–टीजिंग का शिकार होते थे, जो बाद में इंटरनेट पर ट्रोलिंग में बदल गई. डीपफेक और एआई वीडियो और उनके शिकार होने के बारे में बात करते हुए सलमान ने कहा, 'किसी ने एआई वीडियो बनाया या एआई से आवाज डब की. यह गलत है. एआई इतना आगे बढ़ गया है कि यह बहुत डरावना है. यह बहुत सीरियस बात है. आपने कुछ कहा, और किसी ने एआई का इस्तेमाल करके उसे एडिट कर दिया और किसी को गाली दिलवा दी. पता है वे क्या कर रहे हैं? वे एआई वीडियो बना रहे हैं. बहुत सारे लोगों के, और मैं भी उस एआई वीडियो में हूं.'सलमान ने कहा कि एआई के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सोशल मीडिया के नियम और सख्त होने चाहिए उन्होंने कहा कि ये टूल्स तेजी से बेहतर हुए हैं, इसलिए नकली विलप और बदली हुई आवाजें असली लग सकती हैं. उनके मुताबिक, एक साफ कानून होना चाहिए ताकि जब लोग जान–बूझकर इस तरह का गलत कंटेंट बनाएं और शेयर करें, तो उन पर कार्रवाई की जा सके. सलमान ने यह भी कहा कि कड़ी सजा से दूसरे लोग ऐसा करने से भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जो लोग नहीं जानते कि यह एआई–जनरेटेड कंटेंट है, वे शायद पोस्ट कर दें कि सलमान खान वहां मौजूद थे. लेकिन जो लोग सच्चाई जानते हैं और फिर भी ऐसा वीडियो बनाते हैं, वे किस तरह के लोग हैं? ऐसे लोगों को जेल में डाल देना चाहिए. जब घ्धतक एक–दो लोग जेल नहीं जाएंगे, तब तक यह रुकेगा नहीं. 'उन्होंने कहा, इसके लिए एक कानून बननाबच सकते हैं.उन्होंने आगे कहा कि ऐसे लोगों को उनके कामों के लिए जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जो लोग नहीं जानते कि यह एआई–जनरेटेड कंटेंट है, वे शायद पोस्ट कर दें कि सलमान खान वहां मौजूद थे. लेकिन जो लोग सच्चाई जानते हैं और फिर भी ऐसा वीडियो बनाते हैं, वे किस तरह के लोग हैं? ऐसे लोगों को जेल में डाल देना चाहिए. जब घ्धतक एक–दो लोग जेल नहीं जाएंगे, तब तक यह रुकेगा नहीं. 'उन्होंने कहा, इसके लिए एक कानून बनना चाहिए. सोशल मीडिया पर सेंसरशिप होनी चाहिए और मैं इस मामले को बहुत गंभीरता से लेने वाला हूं.' उनकी ये बातें बिग बॉस 20 के 27 सितंबर के एपिसोड के दौरान क ऐसे लोगों को उनके कामों के लिए जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जो लोग नहीं जानते कि यह सामने आईं, जिसमें होस्ट ने घर के अंदर हुई कई घटनाओं पर भी बात की. इस एपिसोड में पब्लिक वोट का सामना करने के बाद ईशा रिक्खी को शो से बाहर होना पड़ा.

रकुल प्रीत सिंह और प्रोड्यूसर वाशु भगनानी से जुड़े 12 जगहों पर इनकम टैक्स का छापा, जानें पूरा मामला

मुंबई: इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों और कंपनियों की 12 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया है. यह कार्रवाई फिल्म प्रोजेक्ट्स के नाम पर विदेश भेजे गए फंड को लेकर की जा रही है. इस छापेमारी में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह, प्रोड्यूसर वाशु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज से जुड़ी जगह शामिल हैं. यह अभियान मुंबई इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से चलाया जा रहा है.इनकट टैक्स डिपार्टमेंट ने इस मामले में उन 12 जगहों पर छापे मारे हैं, जहां फिल्म प्रोजेक्ट्स के नाम पर फिल्म से जुड़ी गतिविधियों के जरिए टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग का शक था. आईटी विभाग के सूत्रों का कहना है कि उन्हें कुछ और गड़बड़ी होने का भी शक था, क्योंकि कुछ समय से फिल्म की शूटिंग, प्रोजेक्ट्स और विदेशी डिस्ट्रीब्यूशन के नाम पर विदेश में पैसे भेजे जा रहे थे.मुंबई इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीमें अलग–अलग जगहों पर एक साथ छापेमारी कर रही हैं. इस ऑपरेशन में उनके अकाउंट्स और विदेश भेजे गए फंड की बारीकी से जांच की जा रही है.बता दें, रकुल की शादी जैकी भगनानी से हुई है, जो एक्टर होने के साथ–साथ फिल्म प्रोड्यूसर और एंटरप्रेन्योर भी हैं. रकुल ने कई तेलुगु, हिंदी और तमिल फिल्मों में काम किया है और उन्हें ᵖᵈ। अवॉर्ड समेत कई सम्मान मिले हैं. वाशु ने गोविंदा की 'कुली नंबर 1' और 'हीरो नंबर 1' समेत कई फिल्में प्रोड्यूस की हैं, जो सुपरहिट साबित हुई हैं.फिल्मों की बात करें तो रकुल, नितेश तिवारी की 'रामायण' में शूर्पणखा के रोल में नजर आएंगी. फिल्म 2026 की दिवाली पर रिलीज होगी. एक्ट्रेस ने हाल ही में इसके लिए डबिंग शुरू कर दी है. इस पौराणिक फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में दिखेंगे.वाशु भगनानी कई सालों से

'जेलर 2' में विद्या बालन की धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक में स्वैग देख लोगों को याद आई 'डर्टी पिक्चर' की 'रेशमा'

जेलर 2' की रिलीज डेट जैसे–जैसे नजदीक आ रही है, वैसे–वैसे मेकर्स दर्शकों के लिए फिल्म से एक–एक कर सरप्राइज छोड़ रहे हैं. अब जेलर 2 के निर्माता ने रजनीकांत स्टारर फिल्म से विद्या बालन की पहली झलक पेश की है. इससे पहले मेकर्स ने एसजे सूर्या का बोधि और सूरज वेंजारामूडु का दिलीप लुक पेश किया था. निर्माताओं ने विद्या के किरदार का पहला टीजर जारी किया है. वह कांथा का किरदार निभा रही हैं, जो एक नया और रहस्यमय किरदार है, जिसे नए वीडियो में दमदार तरीके से पेश किया गया है.विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में, हाथ में सिगरेट लिए, सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में जाती हुई दिख रही हैं. इसके अलावा ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन इस छोटी सी झलक से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि कांथा को एक शांत स्वभाव वाली शख्सियत के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है. विद्या इस सीन में एक विशेष अधिकार का भाव दर्शाती है, जबकि अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत माहौल को और भी प्रभावशाली बना देता है. फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कांथा की कहानी में भूमिका का खुलासा नहीं किया है. हालांकि, खबरों के मुताबिक विद्या, मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी बेटी का किरदार निभाएंगी. बताया जा रहा है कि मिथुन जेलर 2 में मुख्य खलनायक हैं और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे. इससे पहलेसोशल मीडिया पर विद्या का जेलर 2 लुक छा गया है और फैंस उन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं. कईयों को जेलर 2 में विद्या का यह दमदार अंदाज देख एक्ट्रेस की फिल्म डर्टी पिक्चर में उनका रेशमा का किरदार याद आ गया है.इस किरदार का खुलासा फिल्म निर्माताओं द्वारा जेलर 2 के प्रचार का एक हिस्सा है, जो 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है. इस सीक्वल में रजनीक. ांत मुथुवेल पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, जबकि पहली फिल्म जेलर 2023 की सबसे बड़ी तमिल हिट फिल्मों में से एक बन गई थीनेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित फिल्म 'जेलर' मुथुवेल पांडियन की कहानी है, जो एक रिटायर्ड जेलर हैं और उनके बेटे के लापता होने के बाद उनका शांतिपूर्ण जीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने भारत में 348.55 करोड़ रुपये का नेट और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था.

जेलर 2 के बारे में

जेलर 2 में राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और रित्विक अहम किरदारों में वापसी कर रहे हैं . इस सीक्वल में एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सूरज वेंजारामूडु, अन्ना राजन और जतिन सरना जैसे प्रभावशाली नए कलाकार की सरप्राइजिंग एंट्री है.

फिल्म में कई कैमियो भूमिकाओं की भी उम्मीद है. खबरों के अनुसार मो. हनलाल, शिव राजकुमार, जैकी श्रॉफ, विजय सेतुपति और ऋतिक रोशन

'आज केवल प्यार, नो वॉर', संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' टीम ने मनाया रणबीर कपूर का बर्थडे, देखें जश्न की तस्वीर

हैदराबाद: संजय लीला भंसाली की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'लव एंड वॉर' इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है और भारतीय सिनेमा में एक नया मुकाम हासिल करने के लिए तैयार है. पहली बार इंडस्ट्री के तीन बड़े सितारों रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल को संजय लीला भंसाली की भव्य सिनेमाई दुनिया में एक साथ लेकर आ रही यह फिल्म दर्शकों को एक अनूठा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है. फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. हाल ही में मेकर्स ने रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के दिलचस्प फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी किए, जिन्होंने फिल्म को लेकर चर्चाओं को और तेज कर दिया. अब फिल्म की पूरी कास्ट रणबीर कपूर का जन्मदिन मनाने के लिए एक साथ आई.इस साल रणबीर कपूर का जन्मदिन पूरी तरह से 'लव एंड वॉर' के नाम रहा. देशभर में सुपरस्टार की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. वहीं फिल्म से सामने आए उनके फर्स्ट–लुक पोस्टर ने इस खास मौके को उनके प्रशंसक. ों के लिए और भी यादगार बना दिया. इस तरह उनके जन्मदिन की खुशियां दोगुनी हो गई. इस खास अवसर पर फिल्म के कलाकारों, निर्देशक संजय लीला भंसाली और पूरी टीम ने एक साथ मिलकर शानदार बर्थडे डिनर का आयोजन किया. सुपरस्टार के जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए

नानी ने किरदार में झोंकी पूरी ताकत, लेकिन बिखरी कहानी नें कम फीका किया असर

निर्देशक श्रीकांत ओडेला और नानी ने 2023 में आई फिल्म 'दसरा' में साथ काम किया था। इस फिल्म की सफलता के बाद जब दोनों ने दोबा. रा साथ आने का ऐलान किया तो उम्मीदें अपने आप बढ़ गईं। 'दसरा' की खासियत यह थी कि फिल्म ने अपने किरदारों और उनके माहौल को अच्छी तरह समझा था। ऐसे में 'द पैराडाइज' का पहला लुक सामने आया तो उसने तुरंत लोगों का ध्यान खींच लिया। पहली झलक में नानी को पहचानना तक मुश्किल था। दो चोटियां, बदला हुआ शरीर, नाक में नथ और चेहरे पर गुस्से से भरी नजर ने फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ा दी थी। पोस्टर से लगा कि इस बार कुछ बिल्कुल अलग देखने को मिलेगा। कई बार रिलीज टलने के बाद आखिरकार 'द पैराडाइज' 24 सितंबर को सिनेमाघरों में पहुंच गई है। लेकिन सवाल यही है कि क्या फिल्म का असल अनुभव उसके पहले लुक जितना प्रभावशाली है? अफसोस, पूरी तरह नहीं।क्या है 'द पैराडाइज' की कहानी?फिल्म की कहानी आजादी के बाद के दौर में स्थापित की गई है। कहानी जदल नाम के एक युवक के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसका संबंध समाज के उस हाशिए पर खड़े समुदाय से है, जिसे लंबे समय से सम्मान, पहचान और अपनी जिंदगी पर अधिकार से वंचित रखा गया है। जदल का समुदाय गतिक के कठोर शासन के नीचे जिंदगी गुजार रहा है। गरीबी उनकी रोजमर्रा की सच्चाई है। खाने की कमी से लेकर रोजगार के अभाव तक, उनकी जिंदगी में मुश्किलों की कोई कमी नहीं। जिस जगह को वे अपना घर मानते हैं, उसी जगह पर उन्हें बाहरी और दोयम दर्जे का समझा जाता है।

जदल बचपन से अपने आसपास यह अन्याय देखता आया है। लेकिन उसके समुदाय के लोगों को उसमें एक उम्मीद नजर आती है। उन्हें लगता है कि एक दिन यही लड़का उनके ऊपर पड़े बंधनों को तोड़ सकता है और उन्हें उस जिंदगी से बाहर निकाल सकता है, जिसमें वे पीढ़ियों से फंसे हुए हैं। यहीं से फिल्म जदल के संघर्ष की कहानी शुरू होती है। वह धीरे–धीरे यह समझने की को. शिश करता है कि उसे किसके लिए लड़ना है और क्या वह पूरे समुदाय के संघर्ष को अपने कंधों पर उठाने के लिए तैयार है। फिल्म जातिगत भेदभाव, पहचान, शोषण, बदला, प्रति. रोध और सम्मान जैसे कई गंभीर मुद्दों को छूती है। समस्या यह है कि एक साथ इतने विषय कहानी में डाल दिए गए हैं कि कई विचारों को पूरी तरह विकसित होने का मौका नहीं मिल पाता।नानी ने संभाली फिल्म की कमानजदल के किरदार में नानी फिल्म की सबसे मजबूत कड़ी हैं। उनका लुक पूरी तरह किरदार के अनुरूप दिखाई देता है। उन्होंने अपने हावभाव और शारीरिक बदलाव से जदल की दुनिया को अपनाने की पूरी कोशिश की है। खासकर एक्शन सीक्वेंस में नानी का अंदाज प्रभावशाली है। जहां उन्हें बड़े पर्दे वाला मास मोमेंट मिलता है, वहां वह पूरी तरह छा जाते हैं। उनकी डांसिंग भी फिल्म के आकर्षण में इजाफा करती हैस, लेकिन समस्या नानी की अदाकारी में नहीं, बल्कि उस लेखन में है जो उनके किरदार को पर्याप्त जगह नहीं देता। जदल के भीतर कई भावनाएं चल रही हैं, लेकिन कहानी इतनी तेजी से आगे बढ़ती है कि कई भावनात्मक दृश्यों का असर पूरी तरह सामने नहीं आ पाता।

सोनाली कुलकर्णी जदल की मां शमक्का के किरदार में अच्छा काम करती हैं। उन्होंने किरदार को जरूरत से ज्यादा नाटकीय बनाने के बजाय सहज रखा है। उनके अभिनय में एक मां की तकलीफ और अपने बेटे के लिए चिंता साफ नजर आती है। वहीं राघव जुयाल का किरदार कुछ हद तक उलझा हुआ लगता है। यह साफ करना मुश्किल हो जाता है कि वह कहानी का मुख्य खलनायक है, किसी बड़े किरदार का साथी है या फिर उसके हिस्से में अलग तरह का कॉमिक एंगल रखा गया है। राघव इससे कहीं ज्यादा सूक्ष्म अभिनय पहले दिखा चुके हैं, इसलिए यहां उनका किरदार कुछ अधूरा महसूस होता है। मोहन बाबू मलिक की भूमिका में प्रभावशाली नजर आते हैं। उनकी आवाज, व्यक्तित्व और स्क्रीन प्रेजेंस किरदार को खतरनाक बनाती है। लेकिन मलिक के चरित्र को भी पर्याप्त बैकस्टोरी नहीं मिलती, जिससे उसके व्यवहार और सोच को पूरी तरह समझना मुश्किल होता है।

निर्देशन में दिखती है महत्वाकांक्षा

श्रीकांत ओडेला 'द पैराडाइज' के जरिए सिर्फ एक मास फिल्म नहीं बनाना चाहते। फिल्म में जातिगत भेदभाव, शोषण, पहचान, बदला और प्रतिरोध जैसे गंभीर मुद्दों को उठाने की कोशिश की गई है, लेकिन यही फिल्म की एक बड़ी कमजोरी भी बन जाती है। निर्देशक एक साथ कई तरह की फिल्में कहने की कोशिश करते नजर आते हैं। कभी यह मास एंटरटेनर बनती है, कभी सामाजिक टिप्पणी, कभी बदले की कहानी और कभी राजनीतिक ड्रामा। इनमें से किसी भी शैली में समस्या नहीं है, लेकिन इनके बीच संतुलन हमेशा कायम नहीं रह पाता। कुछ जगह फिल्म तेजी से अगले बड़े दृश्य की तरफ बढ़ती है, जबकि कुछ दृश्यों में कहानी अचानक रुककर कोई बात समझाने लगती है। फिल्म की विजुअल दुनिया में मेहनत साफ नजर आती है। सेट, माहौल और किरदारा. ˇ का लुक एक अलग दुनिया बनाने में

published by KALIDINDI SUMALATHA from 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA - 500020. on behalf of RS USAR PUBLICATIONS, edited by RAGHURAMA RAJU KALIDINDI and printed by KALIDINDI SUMALATHA at KING DIGITAL OFFSET PRINTERS, 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA – 500020. PRGI NO: TGHIN/26/A7665, Email: rsusarp@myyahoo.com, 9849350555, 9515121467